RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 126 ● भिलाई, गुरुवार 20 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

ट्रक और बोलेरो की भिड़ंत में महिला की मौत, 21 लोग घायल

मेरठ। मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक बोलेरो ट्रक से टकराकर पलट गई। इस हादसे में एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि 21 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, सरधना निवासी उम्मेद अपने परिवार के साथ बोलेरो से मेरठ लौट रहे थे। जब वाहन खरखौदा थाना क्षेत्र के एनसीआर अस्पताल के सामने पहुंचा, तभी अचानक सड़क पार कर रही एक महिला उनके वाहन के सामने आ गई। उसे बचाने की कोशिश के दौरान वाहन का नियंत्रण बिगड़ गया और पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेरो आगे एक बाइक सवार से भी भिड़ गई और फिर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया।

अल फलाह विश्वविद्यालय से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

फरीदाबाद। दिल्ली बम विस्फोट मामले में मंगलवार सुबह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी तथा उसके ट्रस्टियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। सुबह करीब 5 बजे शुरू हुई छापेमारी को लेकर ईडी की ओर से कोई अधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन, ईडी सूत्रों के अनुसार, कुल 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू हुई है। ईडी की टीमें दिल्ली के ओखला स्थित यूनिवर्सिटी के मुख्यालय, फरीदाबाद कैंपस और ट्रस्टियों के आवासों-कार्यालयों पर पहुंची हैं। दस्तावेजों की जांच और जब्ती का काम जारी है। ईडी फिलहाल इस मामले से जुड़े संभावित वित्तीय और परिचालन संबंधों की जांच कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, अल फलाह यूनिवर्सिटी के कामकाज में कई वित्तीय गड़बड़ियां सामने आई हैं।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, कई मामलों में वॉन्टेड पांच भगोड़े गिरफ्तार

नई दिल्ली। एक कोऑर्डिनेटेड मल्टी-यूनिट ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस ने चेक बाउंस होने से लेकर चोरी, एक्साइज एक्ट के उल्लंघन और गंभीर चोट पहुंचाने जैसे मामलों में वॉन्टेड पांच भगोड़ों को गिरफ्तार किया है। जारी एक ऑफिशियल प्रेस रिलीज के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां आर.के. पुरम, दिल्ली कैंट, एएटीएस, पालम विलेज और वसंत विहार के पुलिस स्टेशनों की टीमों ने कीं। जिला पुलिस ने कहा कि इन अपराधियों को अलग-अलग कोर्ट ने 8 अगस्त, 2002, 7 जुलाई, 2025, 1 सितंबर, 2025, 14 अक्टूबर, 2025 और 3 नवंबर, 2025 के ऑर्डर के जरिए भगोड़े अपराधी घोषित किया था। अपने बयान में, पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर मैनुअल और टेक्निकल सर्विलांस के साथ-साथ स्ट्रेटेजिक रेड का नतीजा थी।

दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी

सात माओवादी मारे गए...50 से ज्यादा गिरफ्तार किए गए

अमरावती/ संवाददाता

आंध्र प्रदेश में खूंखार माओवादी माड़वी हिड़मा के मारे जाने के एक दिन बार भी सुरक्षाबलों की कार्रवाई जी है। बताया गया है कि राज्य के मारेदुमिल्ली इलाके में हुई मुठभेड़ में सात माओवादी मार गिराए गए। आंध्र प्रदेश खुफ्मिा विभाग के एडीजी महेश चंद्र लड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि जिन माओवादियों की जान गई है, उनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सभी की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मारा गया एक माओवादी मेतुरी जोखा राव उर्फ टेक शंकर था। वह श्रीकाकुलम का रहने वाला था और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर के लिए जिम्मेदारी देख रहा था। वह तकनीकी मामलों का जानकार था। साथ ही हथियारों, संचार से जुड़ी चीजों पर भी उसकी अच्छी पकड़ थी। वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, माओवादियों के साथ मुठभेड़ की घटना सुबह करीब 7 बजे की है। एडीजी लड्ढा ने बताया कि शंकर पिछले 20 वर्षों से माओवादी आंदोलन से जुड़ा था और हर बार सुरक्षा अभियानों के दौरान अपनी जगह बदलता रहा था। उन्होंने अनुमान लगाया कि शंकर माओवादी आंदोलन को नया जीवन देने के लिए दक्षिण के इस राज्य में आया था। इतना ही नहीं आंध्र प्रदेश पुलिस ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों से करीब 50 भाकपा (माओवादी) कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया है। यह ऑपरेशन

कृष्णा, एलुरु, एनटीआर विजयवाड़ा, काकिनाड़ा और डॉ. बीआर आंबेडकर कोणासीमा जिले में चलाए गए। इससे माओवादी संगठन के दक्षिण बस्तर और दंडाकरन्या नेटवर्क पर गहरी चोट हुई है। पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें वरिष्ठ माओवादी, संचार मामलों के जानकार, सशस्त्र प्लाटून सदस्य और पार्टी के लोग शामिल हैं। यह सब लोग करीब से माड़वी हिड़मा के साथ काम कर रहे थे, जो कि भाकपा-माओवादी पार्टी की केंद्रीय समिति का सदस्य था। गौरतलब है कि मंगलवार को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली माड़वी हिड़मा ढेर हो गया था। इस मुठभेड़ में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का समेत कुल छह नक्सली मारे गए। नक्सलियों के पास से कुछ हथियार और गोला-बारूद, विशेष रूप से दो एके-47, किट-बैग समेत अन्य सामग्री बरामद की गई। माड़वी हिड़मा ने जन्म छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में हुआ था। 16 साल की उम्र में ही हथियार उठा लेने वाले हिड़मा कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था. वह एक करोड़ रुपये का इनामी और वांछित नक्सली था।माड़वी हिड़मा नक्सलियों की सबसे खतरनाक सैन्य टुकड़ी कही जाने वाली बटालियन नंबर एक का कमांडर था।

इधर राजनांदगांव में एक जवान की शहादत हुई

दूसरी ओर राजनांदगांव जिले के बोरतालाब थाने के कौहापानी के पास जंगल में पुलिस नक्सली मुठभेड़ के दौरान एक जवान आशीष शर्मा शहादत को प्राप्त हो गये। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ पुलिस की ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हो गये। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की संयुक्त सर्चिंग पार्टी सुबह सर्चिंग पर निकली थी। इस दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर फोर्स पर हमला कर दिया। फोर्स ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों तरफसे कई घंटे तक गोलीबारी चलती रही और एक जवान घायल हो गया। घायल जवान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ लाया गया, जहां उपचार के दौरान जवान की मौत हो गई। फ्लिहाल, फोर्स का गश्त अभियान जारी है।

कश्मीरियों पर हो रहे संदेह का दर्द

सीएम उमर अब्दुल्ला बोले हम सब दोषी नहीं है.....

नई दिल्ली। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट के बाद की जांच में किसी भी निर्दोष कश्मीरी मुसलमान पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली में जो कुछ हुआ (दिल्ली आतंकी विस्फोट) उसके लिए मुट्ठी भर लोग ज़िम्मेदार हैं। लेकिन ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की गई जैसे हम सब दोषी हों, जैसे हम सब इसमें शामिल हों। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आज, दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के पंजीकरण वाली गाड़ी चलाना

अपराध माना जाता है। जब मेरे साथ ज़्यादा सुरक्षा नहीं होती, तो मैं भी सोचता हूँ कि गाड़ी निकालूँ या नहीं; कोई मुझे किनारे रोककर मेरी पहचान और वहाँ आने का उद्देश्य पूछ लेता है। यह बयान घाटी के कई निवासियों द्वारा यह चिंता जताए जाने के बाद आया है ।

बांग्लादेश में आज हालात शांत लेकिन तनावपूर्ण है.....

बांग्लादेश में हालात शांत,अवामी लीग के देशव्यापी प्रदर्शन के मद्देनजर रखते हुए सुरक्षा बल सतर्क हुए..

ढाका। बांग्लादेश में बुधवार को हालात शांत लेकिन तनावपूर्ण हैं। आवामी लीग ने पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसके मद्देनजर सुरक्षाबल राजधानी ढाका समेत प्रमुख शहरों में कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में यातायात और दैनिक गतिविधियां धीरे-धीरे सामान्य होती दिखीं और लगातार दूसरे दिन किसी तरह की हिंसा की कोई खबर नहीं मिली। आवामी लीग के बुधवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय देशव्यापी प्रदर्शनों के मद्देनजर ढाका में सशस्त्र पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और अर्धसैनिक बलों ने सरकारी इमारतों, पार्टी कार्यालयों और प्रमुख चौराहों पर गहन गश्त जारी रखी है। राजधानी के कई हिस्सों में सुरक्षा कड़ी की गई है, जहां नाकेबंदी और अवरोधक लगाकर आवाजाही को नियंत्रित किया जा रहा है। आवामी लीग ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर मंगलवार को पूर्ण बंद और 19 से 21 नवंबर तक ''देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन और प्रतिरोध'' का

आह्वान किया था। पार्टी ने हसीना के खिलाफ आए फैसले को ''राजनीति से प्रेरित, दुर्भावनापूर्ण, प्रतिशोधी और बदले की कार्रवाई'' वाला बताया। बंगाली दैनिक अखबार 'प्रथम आलो' की खबर के अनुसार, गाजीपुर शहर में जुबो दल के एक नेता के स्वामित्व वाले एक गोदाम में लगी आग में माल नष्ट हो गया। बहरहाल, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आग दुर्घटनावश लगी या किसी साज़िश का नतीजा थी। जुबो दल, खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का युवा संगठन है, जो हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की अनुपस्थिति में प्रमुख राजनीतिक दावेदार बनकर उभरा है। इस बीच, स्थानीय अखबार 'युगान्तर' के अनुसार, सोमवार और मंगलवार को चलाए गए सुरक्षा अभियानों में 1,649 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि छापों के दौरान 10 हथियार, 30.5 किलोग्राम बारूद और कॉकटेल बम बरामद किए गए।

एनडीए की नई सरकार के गठन का दावा पेश

विधायक दल से नेता चुने गए नीतीश कुमार आज लेंगे शपथ

पटना/ एजेंसी

बिहार में नई सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। एनडीए विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर से एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह के लिए कल का दिन तय किया गया है। एनडीए के सभी सहयोगी दलों ने नीतीश कुमार के नेतृत्व पर एक बार फिर भरोसा जताया है। जेडीयू बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बैठक के बाद कहा कि शपथ ग्रहण समारोह कल होगा। एनडीए नेता का चयन हो चुका है। सभी एनडीए

सहयोगियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना है। इसी क्रम में आरएलएम की नेता स्नेहलता ने भी नीतीश कुमार के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कहा कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे। वह वैसे ही काम करते रहेंगे जैसे अब तक करते आए हैं। एनडीए सरकार ने महिलाओं के लिए काम किया है और आगे भी करती रहेगी। एलजेपी (आर) की ओर से भी समर्थन जारी रहा। पार्टी नेता संजय पासवान ने कहा, कि मेरी पार्टी और मेरे नेता चिराग पासवान की ओर से मैं नीतीश कुमार को बधाई देता हूं। भगवान उन्हें लंबी उम्र दें ताकि वे लंबे समय तक हमारा नेतृत्व करते रहें। एनडीए की इस एकजुटता की पुष्टि करते हुए एलजेपी (आरवी) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए उम्मीदवारों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुभव और 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' पर भरोसा जताते हुए भारी जनादेश दिया है।

नौगाम विस्फोट : मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, हर संभव मदद का भरोसा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट की घटना में अपनों को खो चुके परिवारों से मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मुलाकात की। इस दर्दनाक दुर्घटना में 9 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। सीएम अब्दुल्ला ने पीड़ित परिवार की पीड़ा सुनी और उनका ढाढ़स बंधाया। मुलाकात के दौरान उन्होंने दिवंगत आत्माओं की जन्नत के लिए दुआ की। और घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी।

मोदी ने जारी की किसान निधि की 21वीं किस्त

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर-मोदी....

कोयंबटूर/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है और उन्होंने जोर देकर कहा कि यह देश की मूल और पारंपरिक संस्कृति है। बिहार में एनडीए की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने आगमन पर गमछा लहराते दर्शकों देखकर कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे बिहार की हवाएं उनसे पहले तमिलनाडु पहुंच गई हों।किसानों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं यहां मंच पर आया, तो मैंने देखा कि कई किसान हवा में

अपना गमछा लहरा रहे थे। मुझे ऐसा लगा जैसे बिहार की हवा मुझसे पहले ही यहां पहुंच गई हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, प्राकृतिक खेती मेरे दिल के बहुत करीब का विषय है। मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को इस अद्भुत दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं प्रदर्शनी देख रहा था। मुझे कई किसानों से बात करने का अवसर मिला। किसी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की है, पीएचडी की है और फिर खेती कर रहे हैं, कोई नासा छोड़कर खेती कर रहा है, वे कई युवाओं को तैयार कर रहे हैं और प्रशिक्षित कर रहे हैं। पीएम ने आगे कहा कि मैं सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता हूं । कि अगर मैं इस कार्यक्रम में नहीं आया होता, तो मैं अपने जीवन में बहुत कुछ खो देता। आज यहां आकर, मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं तमिलनाडु के किसानों के साहस को सलाम करता हूं।

एनआईए की गिरफ्त में अनमोल बिश्नोई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 11 दिन की एनआईए रिमांड पर

दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका से प्रत्यर्पित लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद एनआईए की टीम ने आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने 11 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया है। गिरफ्तार गैंगस्टर को एनआईए मुख्यालय लाया गया। अनमोल बिश्नोई दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। वहीं सलमान खान पर फायरिंग जैसे कई मामलों में वांछित भी है। एनआईए ने कोर्ट से अनमोल की 15 दिनों की कस्टडी मांगी थी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था। इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने उसे पकड़ लिया। बिश्नोई गिरोह के विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हुए अनमोल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए अमेरिका से आतंकवादी सिंडिकेट चलाना और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा। इसके लिए उसने जमीनी स्तर पर उसके गुर्गों का इस्तेमाल किया। जांच से पता चला है कि अनमोल बिश्नोई ने गिरोह के शूटरों और जमीनी गुर्गों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। वह अन्य गैंगस्टरों की मदद से विदेशी धरती से भारत में जबरन वसूली

में भी शामिल था। एनआईए, आतंकवादियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के बीच गठजोड़, जिसमें उनका बुनियादी ढांचा और धन स्रोत शामिल हैं, को नष्ट करने के अपने प्रयासों के तहत, आरसी 39/2022 /एनआईए/ डीएलआई (लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में आतंकवादी गैंगस्टर षड्यंत्र मामला) मामले की जांच जारी रखे हुए है। अनमोल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। सलमान खान के घर हुई फायरिंग और सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से भी उसका कनेक्शन है। अनमोल बिश्नोई को दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने पकड़ लिया। अनमोल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। उसके खिलाफकई राज्यों में गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं। अनमोल ने 2020-2023 की अवधि के दौरान देश में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने में नामित आतंकवादी गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई की सक्रिय रूप से सहायता की थी। इसके अलावा साल 2024 में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में भी अनमोल वॉन्टेड है। यह हमला बिश्नोई गैंग के इशारे पर किया गया था। अनमोल बाबा सिद्धीकी की हत्या मामले में भी आरोपी है। वह मुख्य साजिशकर्ता है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

क्यों सलमान खान को दुश्मन मानता है बिश्नोई गैंग?

फिल्म 'हम साथ साथ हैं' (1999) की शूटिंग के दौरान सलमान खान काले हिरण के शिकार मामले में फंसे थे। तब से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अभिनेता के पीछे पड़ा है। सलमान पर आरोप है कि साल 1998 में फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान राजस्थान के जंगलों में काले हिरण का शिकार किया था। सलमान के अलावा सैफअली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू और नीलम कोठारी पर भी आरोप लगे थे। बिश्नोई समाज ने तब सलमान के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। सलमान को इसके लिए जोधपुर कोर्ट ने पांच साल की सजा भी सुनाई थी, हालांकि, बाद में उन्हें इस मामले में बेल मिल गई। मगर, बिश्नोई गैंग इस मामले को लेकर सलमान खान को दुश्मन मान बैठा है ।

राष्ट्रीय पटल पर बालोद जिले का नाम सुनहरे अक्षरों पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संचय, जन भागीदारी अभियान अंतर्गत बालोद जिले में हुए उत्कृष्ट कार्यों के लिए कलेक्टर दिव्या मिश्रा को किया सम्मानित

बालोद। जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बालोद जिले को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय पटल पर बालोद जिले का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा को 'जल संचय, जन भागीदारी' (जेएसजेबी 1.0) के तहत पूर्वी जोन में शामिल बालोद जिला को बेस्ट परफॉर्मिंग जिले के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर सम्मानित किया है। विज्ञान भवन नई दिल्ली में मंगलवार को आयोजित 6वाँ राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय, जन भागीदारी अवार्ड समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बालोद जिले में हुए उल्लेखनीय कार्यों के लिए बालोद जिले को 2 करोड़ रूपये का प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, केन्द्रीय जल संसाधन राज्य मंत्री वी सोमन्ना एवं अन्य अतिथियों के अलावा वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बालोद जिले को प्राप्त इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का श्रेय संपूर्ण बालोद जिले वासियों को दिया है।

जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं : दिव्या

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा सम्मानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं संपूर्ण जिले वासियों के अथक प्रयासों एवं सक्रिय सहभागिता के फलस्वरूप जल संचय एवं जन भागीदारी अभियान में जिले को यह महत्वपूर्ण उलपब्धि हासिल हो सका है। इसके लिए उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों सहित पूरे जिले वासियों के प्रति विनम्र आभार माना है। दिव्या मिश्रा ने जल संचय एवं जन भागीदारी अभियान में बेस्ट परफॉर्मिंग जिले के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर बालोद जिले को भारत के राष्ट्रपति के कर कमलों से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त होने पर संपूर्ण जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी है।

3 लाख 88 हजार किया गया पौधरोपण

उल्लेखनीय है कि बालोद जिले में 'जल संचय, जन भागीदारी' अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 01 लाख 6 हजार 677 नवीन जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही पूर्व निर्मित 30 हजार 849 जल स्त्रोतों में सामूहिक श्रम के माध्यम से मरम्मत एवं साफ सफाई की व्यवस्था की गई। ग्राम पंचायतों के माध्यम से जल भराव वाले स्थानों का चिन्हांकन कर नवीन जल स्त्रोतों का निर्माण किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों में 10 हजार वाटर रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। वन क्षेत्र में जल संरचनाओं के साथ मृदा एवं जल संरक्षण के कार्य अंतर्गत 3 लाख 88 हजार पौधरोपण किया गया। जिले में इस अभियान से प्रेरित होकर ग्रामीणों द्वारा स्वप्रेरणा एवं निजी राशि से 27 हजार से अधिक घरों में सोकपिट संरचना का निर्माण किया गया है। इसके अलावा जिले में एक लाख 9 हजार 273 स्टेगर्ड कंटूर टेंच का निर्माण किया गया है। जिले में कुल 140 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। जिले में 1 हजार 944 सामुदायिक तालाब, 6 हजार 160 निजी डबरी, तालाब निर्माण किया गया है। जिले में 399 मिनी परकुलेशन टैंक, 6 हजार 614 लूज बोल्डर चेक डेम, 672 नदियों का पुनरूद्धार किया गया है। जिले में 69 स्टॉप डेम, 316 गेबियन चेक डेम, 423 कुंआ का निर्माण किया गया है। जिले में कुल 44 हजार 49 वाटर रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। उपरोक्त सभी कार्यों के फलस्वरूप भारत सरकार के सभी मानको के आकलन के आधार पर बालोद जिले को प्रथम स्थान अर्जित होने पर यह महत्वपूर्ण सौगात मिला है।

तिलाईकुडा, सेमरिया स्कूल में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जोन स्तरीय प्रशिक्षण

मास्टर ट्रेनर द्वारा स्वयंसेवी शिक्षकों को सिखाई गई बारीकियां

बेमेतरा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत स्वंयसेवी शिक्षकों का जोन स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें सात दिसंबर को होने वाले उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों के लिए बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक आकलन परीक्षा का आयोजन होगा, जिसमें असाक्षरों को परीक्षा में शामिल करने व उन्हें नियमित कक्षाएं लेकर प्रारंभिक भाषा और संख्यात्मक ज्ञान कराने ज़ोन स्तर पर स्वयं सेवी शिक्षकों का प्रशिक्षण हुआ।

जोन स्तरीय मास्टर ट्रेनर नुतेश्वर चंद्राकर एंव खिलावन मिर्चण्डेय द्वारा उल्लास एंव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सभी के लिए शिक्षा की जानकारी विस्तार के साथ दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि असाक्षरों को बुनियादी भाषा, संख्या ज्ञान कराके आगामी परीक्षाओं के लिए पारंगत बनाएंगे। साथ ही प्रशिक्षण की विभिन्न बारीकियां, किस प्रकार से हमें जमीनी स्तर पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को सम्पादित करना है, इसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया। उपरोक्त कार्यक्रम में फूलमती नेताम संकुल प्राचार्य, हिरऊ ध्रुव प्राचार्य तिलाइकुडा, खेवेंद्र ठाकुर एवं डोमेन्द्र पांडेय जोन प्रभारी सहित संकुल समन्वयके के रूप में आकाश सोनी, चैतराम सेन, नीलेश सोनी उपस्थित रहे।

डीएवी जांता से ऊर्जा संरक्षण पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय की दीप्ति सेन का चयन

बेमेतरा। ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता 2025 के तहत आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा 6वीं कि प्रतिभावान छात्रा दीप्ति सेन का चयन किया गया है। यह प्रतियोगिता अपनी कल्पना से भविष्य को रंग दे विषय पर आधारित है, जिसका उददेश्य विद्यार्थियों में ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। दीप्ति सेन ने अपनी रचनात्मकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील सोच और ऊर्जा संरक्षण के महत्व को अपनी पेंटिंग में बेहद प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। उनकी उत्कृष्ट कला और विषय की गहरी समझ को देखते हुए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित किया है। जिसमें दीप्ति को इस संघ के द्वारा चयनित किया गया है जिसमें राजकीय स्तर पर चयन होने पर 50000 रूपये पुरस्कार राशि प्रदान किया जाएगा। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय स्तर के बाद अगला चरण राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर 100000 रू पुरस्कार राशि प्रदान किया जाएगा। विद्यालय परिवार दीप्ति सेन की इस उपलब्धि पर अत्यंत हर्ष व्यक्त करता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि दीप्ति की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव की बात है, बल्कि दूसरे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दीप्ति आगामी चरणों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी और विद्यालय का नाम रोशन करेगी।

जंगल में जुए का अड्डा, पुलिस पहुंची तो जुआरी फरार : 14 मोटरसाइकिलें छोड़कर भागे आरोपी

पंडरिया-कुकदूर क्षेत्र में लगातार प्रकाशित खबरों के बाद दबिश, पर आरोपी हाथ नहीं आए

कवर्धा/पंडरिया। कुकदूर क्षेत्र के जंगलों में लंबे समय से फल-फूल रही जुआ गतिविधियों को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित की जा रही थीं। स्थानीय मीडिया द्वारा बार-बार जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित करने के बाद आखिरकार पुलिस हरकत में आई। बोड़ला थाना क्षेत्र के छुही नाला किनारे जंगल में पुलिस ने दबिश तो दी, लेकिन कार्रवाई की भनक पाते ही जुआरी अपनी मोटर साइकिलें छोड़कर रात के अंधेरे में जंगल की ओर भाग खड़े हुए। पुलिस टीम बैरंग लौट आई, लेकिन 14 मोटरसाइकिलों की बरामदगी जुआ कारोबार की पोल खोलने के लिए काफी है। एसपी कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन, एएसपी पुष्पेंद्र बघेल व एएसपी पंकज पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी रूपक शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई 14 नवंबर 2025 को की गई। गोपनीय सूचना पर टीम मौके पर पहुंची तो जुआ खेल रहे आरोपी पुलिस की आहट पाते ही घबराहट में अपनी मोटर सायकलें छोड़कर जंगल में भाग निकले। ग्रामीणों को बुलाकर तस्दीक की गई, पर कोई भी व्यक्ति न तो वाहन मालिक के रूप में सामने आया और न ही जुआ गतिविधि के संबंध में जानकारी देने तैयार हुआ। नाला किनारे और खेतों में खड़ी 14 मोटर सायकिलें जुआ संचालन के स्पष्ट प्रमाण के तौर पर जब्त की गई। मौके पर पंचनामा, जप्ती, रोजनामचा सहित सभी विधिक कार्रवाई कर सभी वाहन थाना में सुरक्षित रखे गए हैं। धारा 106 बीएनएस के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। वाहन स्वामियों की पहचान के लिए परिवहन विभाग से इंजन-चेसिस नंबर का मिलान कराया जा रहा है। फरार जुआरियों की तलाश और आगे कठोर कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। पुलिस का दावा है कि क्षेत्र में जुआ-सट्टा, अवैध लेनदेन व अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अब लगातार सख्त कार्रवाई होगी।

राजा खड़गराज सिंह का मानवीय पहल–आदिवासी आश्रम के बच्चों को बांटे स्कूलबैग व खेल सामग्री, शिक्षा-खेल के प्रति बढ़ाया उत्साह

कवर्धा। सहसपुर लोहारा राजपरिवार के सदस्य एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजा खड़ग राज सिंह ने सामाजिक सेवा की खूबसूरत मिसाल पेश करते हुए आदिवासी बालक आश्रम, बोड़ला पहुंचकर वहां अध्ययनरत बच्चों को स्कूल बैग, ड्रेस और खेलकूद की सामग्री वितरित की। राजा खड़ागराज कुमार सिंह सेवा संस्थान की ओर से मिली इस सौगात को पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। बच्चों के लिए यह पल इसलिए भी खास रहा क्योंकि उन्हें अपने प्रिय राजा खड़ग राज सिंह से सीधे मिलने और बातें करने का अवसर मिला। बच्चों से आत्मीय बातचीत करते हुए राजा खड़ग राज सिंह ने कहा कि ÷मन लगाकर पढ़ाई करें, खेलकूद में भी रुचि लें। शिक्षा और खेल दोनों ही जीवन को बेहतर दिशा देते हैं और खुशहाल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कक्षा 1 से 5 तक के आश्रम में रह रहे बच्चों की स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने शिक्षकों से कहा कि यहाँ बहुत से बच्चे कमजोर, गरीब और अशिक्षित परिवारों से आते हैं, जो अपना भाग्य बदलने के लिए इस आश्रम में कदम रखते हैं। उन्होंने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपकी ईमानदार मेहनत से इन बच्चों का भविष्य संवर सकता है। ये बच्चे समाज और विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आगे बढ़ें, यही हमारा संकल्प है। राजा खड़ग राज सिंह ने यह भी आश्वस्त किया कि आवश्यकता पड़ने पर वह हर संभव मदद के लिए तैयार रहेंगे। सहसपुर लोहारा राजपरिवार द्वारा स्थापित राजा खड़गराज कुमार सिंह सेवा संस्थान का उददेश्य वंचित, गरीब और पिछड़े वर्गों तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है, जिससे उन्हें बेहतर जीवन के अवसर मिल सकें। यह पहल न केवल समाजसेवा का आदर्श उदाहरण है, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करती है।

ग्राम सरदा में 30 लाख रूपये की लागत से बनेगा महतारी सदन

विधायक दीपेश साहू ने किया भूमिपूजन

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सरदा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों–महतारी सदन निर्माण एवं नाली निर्माण का भूमिपूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर दोनों निर्माण कार्यों का औपचारिक भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांवों में आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना हमारी सरकार का संकल्प है। महतारी सदन का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सदन माताओं-बहनों के लिए एक ऐसा केंद्र बनेगा जहाँ वे अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रशिक्षण, बैठकों एवं समूह गतिविधियों का संचालन सहजता से कर सकेंगी। सरकार की महिला उन्नयन योजनाएँ–महतारी योजना, लक्ष्मी योजना, आत्मनिर्भर महिला समूह कार्यक्रम भी यहाँ से और प्रभावी ढंग से लागू होंगे। उन्होंने आगे कहा–लगभग 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाला महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को नई दिशा देगा। इसके साथ ही ग्राम सरदा में नाली निर्माण भी शुरू किया जा रहा है, जिससे स्वच्छता, जल निकासी और गाँव के सौंदर्यीकरण में महत्वपूर्ण सुधार होगा। दोनों कार्य आने वाले समय में ग्राम विकास की दिशा को और मजबूत करेंगे। मैं समस्त ग्रामवासियों और महिला स्व-सहायता समूहों को इन जनकल्याणकारी कार्यों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि किशुन साहू जनपद सदस्य प्रगति लालू साहू सरपंच गौरी नेताम, भरत भूषन साहू, सूर्यकांत साहू, सुरीत साहू, आसपास के ग्राम पंचायतों के सरपंच, सरदा ग्राम पंचायत के सभी पंचगण, जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

लोकतंत्र के दोनों प्रहरी आमने-सामने, लेकिन असल में विवाद खड़ा किसने किया?

बेमेतरा। सर्वदलीय मंच नवागढ़ के विकास धर दीवान ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र में सरपंच संघ और पत्रकार समुदाय के बीच उत्पन्न विवाद ने पूरे इलाके में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। दोनों ही पक्ष-जनप्रतिनिधि भी और पत्रकार भी-लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। एक ओर सरपंच ग्रामीण शासन और जनभागीदारी की रीढ़ हैं, वहीं पत्रकार समाज की आवाज़ और पारदर्शिता के प्रहरी माने जाते हैं। ऐसे दो जिम्मेदार समूहों के बीच तनातनी का माहौल स्वाभाविक रूप से पूरे क्षेत्र के लिए चिंताजनक है। बेमेतरा के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में दीवान कहा कि अपने स्वार्थ के लिए सरपंच मीडिया को उलझाना उचित नहीं है। इसी पृष्ठभूमि में नवागढ़ विधानसभा सर्वदलीय मंच ने जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट कहा है कि यह विवाद दोनों पक्षों की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि कुछ गलत सूचनाओं और तोड़-मरोड़कर फैलाए गए संदेशों से उत्पन्न हुआ तनाव है। मंच ने कहा कि दोनों पक्षों ने लोकतंत्र और जनहित के लिए हमेशा अपनी जिम्मेदारियाँ निभाई हैं, इसलिए इस प्रकार का टकराव स्वाभाविक नहीं हो सकता। मंच का कहना है ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर वे कौन लोग हैं जो दोनों लोकतांत्रिक प्रहरियों-सरपंचों और पत्रकारों को आमने-सामने खड़ा कर रहे हैं? सर्वदलीय मंच ने कहा कि दोनों ही पक्ष लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी हैं, और इनके बीच दूरियाँ पैदा होना पूरे समाज के लिए नुकसानदेह है। सर्वदलीय मंच ने प्रशासन के सामने यह सवाल उठाया कि गलत सूचनाएँ किसने फैलाई? किसने अधूरे तथ्य या भ्रामक संदेशों से गलतफहमियाँ बढ़ाई? किसे इस विवाद से लाभ हो सकता है? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या कोई तीसरा तत्व जानबूझकर माहौल बिगाड़ रहा है? मंच का कहना है कि तथ्यहीन या भ्रमित करने वाली सूचना किसी भी दो पक्षों को आमने-सामने ला सकती है, और वर्तमान विवाद उसी का उदाहरण है। दीवान बताया कि सर्वदलीय मंच की प्रमुख मांगें यह कि संपूर्ण प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच समिति गठित की जाए। दोनों पक्षों से प्राप्त दस्तावेज़, प्रमाण और बयान को समान महत्व दिया जाए। भ्रामक सूचनाएँ फैलाने या विवाद को बढ़ाने वाले तत्वों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएं। जांच अवधि में किसी भी प्रकार का पक्षपातपूर्ण दबाव या पूर्वाग्रह न रखा जाए जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए, ताकि क्षेत्र में फैला भ्रम समाप्त हो सके। भविष्य में इस प्रकार का माहौल बनाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई कर एक स्पष्ट संदेश दिया जाए दीवान ने स्पष्ट किया है कि उनकी यह पहल किसी समूह, संस्था या व्यक्ति के विरोध में नहीं है। इसका एकमात्र उददेश्य है सामाजिक शांति की पुनर्स्थापना, लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सुरक्षा और गलत सूचनाओं के प्रभाव को समाप्त करना। इस अवसर पर विकास धर दीवान, सुरेन्द्र तिवारी, नरेंद्र शर्मा, जिला पंचायत सदस्य मधु रॉय, जावेद खान, अजय तिवारी, नवागढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष सिद्धांत चौहान, शक्तिधर दीवान, रितेश शर्मा, सतीश मार्कण्डेय, चंद्रपाल साहू, अमित जैन, मिंटू बिसेन, विजय यादव, ईश्वर सिंह लोधी, माधो राजपूत, सुदीप शर्मा, गुरमुख भार्गव, सुरेश निषाद, मोहन चेलक, मोती साहू सहित संघ के सदस्य उपस्थित थे।

माता-पिता नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन में सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन एवं अनिता कोशिमा रावटे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के मुख्य प्रावधानों के संबंध में जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम स्थान वृद्धा आश्रम कोबिया, वृद्धा आश्रम कंतेली, बेमेतरा, कार्यालय-एलएडीसीएस, बेमेतरा, ग्राम पंचायत निनवा, ग्राम पंचायत मटका तालुका स्तर पर ग्राम पंचायत बरगड़ा में आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि वरिष्ठ नागरिक, जिसकी आयु 60 वर्ष अथवा उससे ज्यादा है इसके अंतर्गत माता-पिता भी आते है, जो स्वयं आय अर्जित करने में असमर्थ है अथवा उनके स्वामित्वाधीन संपत्ति में से स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ है, ऐसे व्यक्ति उक्त अधिनियम के अंतर्गत भरण-पोषण हेतु आवेदन करने हेतु हकदार है। वरिष्ठ नागरिक, माता-पिता को भरण पोषण खर्च, आय अर्जित करने वाले वयस्क पुत्र, पुत्री, पौत्री से प्राप्त करने का अधिकार है। इस बात का भी प्रावधान किया गया है कि वरिष्ठ नागरिक के जीवन और संपत्ति की रक्षा को सुनिश्चित करने के सभी उपाय राज्य सरकार द्वारा कियें जायेंगे। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य, मानव दुर्व्यवहारों से या बेगारों से सताये गए व्यक्ति, स्त्री या बालक, मानसिक रूप से अस्वस्थ या अन्यथा असमर्थ व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता / सलाह प्रदान किये जाने के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक, दिनेश तिवारी, चीफ, एलएडीसी, डिप्टी चीफ, एलएडीसी, समस्त असिस्टेंट, एलएडीसी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र, टुवेन्द्र वर्मा, पवन कुमार साहू, पंकज घृतलहरे, तरूण आनंद, संजीव शर्मा, देवेन्द्र यादव, धरमू बारले, चेतन सिंह, नागेश सिन्हा उपस्थित रहे।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठिया के डेटा एंट्री ऑपरेटर जगन्नाथ बंजारे सेवामुक्त

बेमेतरा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित कत्या, पंजीयन क्रमांक 1138, शाखा जेवरा, विकासखंड बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए डेटा एंट्री ऑपरेटर जगन्नाथ बंजारे को उनके पद से तत्काल प्रभाव से पदच्युत करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, जगन्नाथ बंजारे 03 नवंबर से लगातार अपने कार्यस्थल पर अनुपस्थित रहकर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए संस्था द्वारा सौंपे गए दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे थे। समिति द्वारा उल्लेखित किया गया कि धान खरीदी जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य में इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है, विशेषकर उस समय जब शासन द्वारा जिले के सभी कर्मचारियों पर छत्तीसगढ़ आवश्यक सेवा संधारण एवं विच्छिन्नता निवारण अधिनियम, 1979 (एस्मा एक्ट 1979) लागू किया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि धान खरीदी अवधि 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक एस्मा लागू रहने के कारण प्रत्येक कर्मचारी का खरीदी संबंधी दायित्व पूरा करना अनिवार्य है। इसके बावजूद बंजारे द्वारा लगातार अनुपस्थिति के कारण खरीदी कार्य प्रभावित हो रहा था, जो

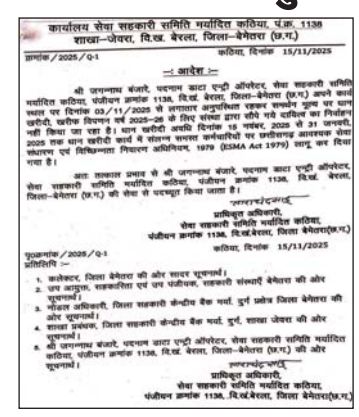
कार्यालय सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठिया, पं.क्र. 1138
शाखा–जेवरा, वि.ख. बेरला, जिला–बेमेतरा (छ.ग.)
क्रमांक / 2025 / Q-1 कठिया, दिनांक 15/11/2025
– आदेश –
श्री जगन्नाथ बंजारे, पदनाम डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठिया, पंजीयन क्रमांक 1138, वि.ख. बेरला, जिला–बेमेतरा (छ.ग.) की सेवा से पदच्युत किया जाता है।
प्राधिकृत अधिकारी,
सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठिया,
पंजीयन क्रमांक 1138, वि.ख.बेरला, जिला बेमेतरा(छ.ग.)
कठिया, दिनांक 15/11/2025
प्रत्यक्ष रूप से किसानों के हितों के विरुद्ध है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए समिति के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जगन्नाथ बंजारे, पदनाम डेटा एंट्री ऑपरेटर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित कत्या, पंजीयन क्रमांक 1138, विकासखंड बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया। समिति प्रबंधन ने कहा कि खरीदी अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुपस्थिति या कार्य में बाधा डालने वाले व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसानों को समय पर, सुचारु और पारदर्शी खरीदी प्रक्रिया उपलब्ध कराना समिति और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण रेल हादसे के मामले में जिम्मेदारी तय

रायपुर। गत 4 नवंबर को गतौरा के पास हुए भीषण रेल हादसे के मामले में अब एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। रेलवे ने जांच की प्रक्रिया के बीच एक वरिष्ठ अधिकारी को अनिवार्य छुट्टी पर भेजते हुए उनकी जिम्मेदारियां बदल दी हैं।जानकारी के अनुसार, रेल विभाग के डीओपी एम. आलम को जांच लंबित रहने के दौरान जबरन अवकाश पर भेजा गया है। बताया जा रहा है कि मेमू ट्रेन के ऑपरेशन में लोको पायलट की ड्यूटी तय करने का जिम्मा एम. आलम का था। उनकी जगह अब टीआरडी विभाग के विवेक कुमार को इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।गौरतलब है कि 4 नवंबर को बिलासपुर जिले के गतौरा-लालखदान ओवरब्रिज के बीच गेवरारोडङ्कबिलासपुर एमईएमयू लोकल ट्रेन खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। शाम करीब 4:10 बजे हुए इस हादसे की टक्कर इतनी भीषण थी कि एमईएमयू के कई कोच मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए थे। अचानक हुए हादसे से यात्रियों में भगदड़ मच गई थी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे, जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। इस दुर्घटना में अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि लगभग 20 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हैं और उनका उपचार विभिन्न अस्पतालों में जारी है।घटना के बाद रेलवे विभाग ने कई बिंदुओं पर जांच तेज कर दी है, जिसके तहत अब अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा रही है।

तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार व्यक्ति को मारी टक्कर मौके पर ही मौत

रायपुर। तोरवा क्षेत्र में शाम तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार देवरीडीह (देवरीखुर्द) निवासी 40 वर्षीय राधेश्याम सिदार किसी निजी काम से शहर आए थे और स्कूटी से वापस घर लौट रहे थे। शाम लगभग 6.45 बजे जब वे पावर हाउस चौक के पास पहुंचे, तभी लालखदान की दिशा से आ रहे हाईवा ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राधेश्याम सड़क पर गिरते ही गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आस-पास के लोग तुरंत घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक हाईवा चालक वाहन छोड़कर भाग चुका था। सूचना मिलते ही तोरवा पुलिस मौके पर पहुंची, भीड़ और ट्रैफिक को नियंत्रित किया, और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

ठंड से बचने अलाव जलाया था वृद्ध,आग में झुलसकर हुई मौत

रायपुर। उत्तरी छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ने के साथ ही अलाव तापते समय झुलसकर मौत की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। सरगुजा के मैनपाट थाना क्षेत्र के सुपलगा में एक 65 वर्षीया वृद्धा चूल्हा में झुलस गई थी। अस्पताल के बजाए 14 दिनों तक उसे घर पर ही रखा गया। समुचित उपचार नहीं मिलने से हालत गंभीर हुई और मेडिकल कॉलेज में रहने के साथ ही उसकी मौत हो गई। इसी तरह दूसरी घटना सूरजपुर के ग्राम जोबगा में हुई, जहां 35 वर्षीय महिला की हीटर से आग तापते समय जलने से मौत हो गई।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया राज्य जीएसटी विभाग के नये कार्यालय का शुभारंभ

जीएसटी 2.0: जनता को राहत,व्यवसाय और रोजगार को गति

- मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत व्यापार और सहयोगी कर प्रशासन अनिवार्य- वित्तमंत्री ओपी चौधरी
- घटी जीएसटी दरों का लाभ आम जनता तक पहुँचाना विभाग की प्रमुख जिम्मेदारी- वित्त मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर स्थित सीबीडी बिल्डिंग के 5वें एवं 6वें तल पर निर्मित आयुक्त, राज्य कर (त्रस्ञ) के नए अत्याधुनिक कार्यालय भवन का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर वित्त सचिव श्री मुकेश बंसल, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन श्री सतीश थौरानी एवं प्रतिनिधिगण, CAIT के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर परवानी,एसोसिएशन व बार एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित रायपुर मुख्यालय एवं विभिन्न संभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था तभी मजबूत हो सकती है, जब व्यापार तरक्की करे और व्यापारियों को सरल एवं सहयोगी कर प्रशासन मिले। राज्य सरकार जनकल्याण के कार्यों को प्रभावी ढंग से तभी आगे बढ़ा सकती है, जब राजस्व व्यवस्था सुदृढ़ हो। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जीएसटी विभाग के अधिकारी व्यापारियों की समस्याओं को समर्पण भाव से दूर करें, तकनीकी कठिनाइयों में उनकी सहायता करें और उन्हें नियमों व प्रक्रियाओं को समझने में सहयोग प्रदान करें।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीएसटी 2.0 कर सुधारों का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों पर कर का बोझ कम करना, खपत को बढ़ावा देना, रोजगार सृजित करना और छोटे व्यवसायों व किसानों को मजबूती देना है। उन्होंने बताया कि इन

सुधारों से औसत भारतीय परिवार को सालाना 25 हजार से 40 हजार तक की सीधी बचत मिलेगी, वहीं किसानों, छोटे व्यवसायियों और कारीगरों की आय में 10-20 प्रतिशत वृद्धि संभव होगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवनयापन संबंधी वस्तुओं पर कर घटने से परिवारों पर व्यय का बोझ कम होगा और जीवन अधिक सुरक्षित व सुलभ बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीएसटी 2.0 से मिलने वाली राहत का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे, यह विभाग की जिम्मेदारी है।वित्त मंत्री ने कहा कि 22 सितंबर से लागू जीएसटी 2.0 ने कर संरचना को सरल बनाया है और कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुधारों का लाभ व्यापारियों, मध्यम वर्गीय परिवारों, किसानों, विद्यार्थियों और आम उपभोक्ताओं तक बिना किसी बाधा पहुँचाया जाए। कार्यक्रम में वर्ष 2024-25 के उत्कृष्ट करदाताओं को उच्च कर भुगतान, उत्कृष्ट अनुपालन और निरंतर वृद्धि के लिए Ta&payer Appreciation Award प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वाले प्रमुख संस्थानों में महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमपीसीजी मोबाइल प्रा. लि., एनटीपीसी, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, सारडा एंड मिनरल्स, मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे, भिलाई स्टील प्लांट और एबिस फूड्स एंड प्रोटीन प्रा. लि. शामिल हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि यह सम्मान राज्य के अनुकरणीय करदाताओं को प्रोत्साहित करने तथा कर अनुपालन को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम है। अपने संबोधन के अंत में वित्त मंत्री ने कहा कि नवा रायपुर में निर्मित नया कार्यालय भवन राज्य कर विभाग की पारदर्शिता, कार्यकुशलता और करदाता हितैषी सेवाओं को नई दिशा देगा। यह भवन आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था और सहज कर सेवा प्रणाली का नया प्रतीक है।

रायपुर से फरार हिस्ट्रीशीटर उड़ीसा में गिरफ्तार किए.....

रायपुर। नारकोक्टिस एक्ट के मामले में रायपुर से फरार हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने उड़ीसा में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना टिकरापारा के अपराध क्रमांक 900/25 धारा 20 (बी), 20(सी), 29 नारकोटिक एक्ट के प्रकरण में दिनांक 05.11.2025 को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा टिकरापारा क्षेत्र में आरोपी प्रतीक शर्मा पिता राकेश शर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी संतोषी नगर जी.टी. कॉम्पलेक्स संतोषी मंदिर के पास थाना खमतराई रायपुर, मोहम्मद शमीम पिता अब्दुल अजीज शेख उम्र 43 वर्ष निवासी खेतवाड़ी दूसरी गली हाजी कासम चाल अलंकार सिनेमा के पास थाना वी.पी. रोड़ जिला गिरगांव मुम्बई (महाराष्ट्र), शेख सारूख उर्फ शाहरूख पिता शेख सत्तार उम्र 30 वर्ष निवासी शेख तबरेज किराना स्टोर के पास मकान नंबर 12/55 रमन मंदिर वार्ड चूना भट्ठी थाना गंज रायपुर तथा पलक नागवानी उर्फ मिस बच्ची पिता राजेश नागवानी उम्र 19 वर्ष निवासी ईदगाहभाठा मुकूट नगर थाना आजाद चौक रायपुर को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 23.014 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 2,30,000 रूपये तथा बुलेट वाहन क्रमांक सीजी 04 पी एस 1654 कीमती लगभग 1,50,000 रूपये जुमला कीमती लगभग 3,80,000 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ व मुखबीर की सूचना पर प्रकरण में संलिप्त फरार आरोपी थाना खमतराई के हिस्ट्रीशीटर उदय जैन पिता नेमीचंद जैन उम्र 36 साल निवासी माता पण्डाल के पास सन्यासीपारा खमतराई रायपुर की पतासाजी करते हुये आरोपी उदय जैन को उड़ीसा से गिरफ्तार किया।

कांग्रेस के नये जिला अध्यक्षों की घोषणा को लेकर सुगबुगाहट तेज

- कांग्रेस हाईकमान एसआईआर को लेकर ले रहा महत्वपूर्ण बैठक
- नये जिला अध्यक्षों की हो सकती है घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे महामंत्री वेणुगोपाल एवं राहुल गांधी की अध्यक्षता में आज 24 अकबर रोड कांग्रेस भवन नई दिल्ली में एसआईआर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। जिसमें भाग लेने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैच एवं नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत दिल्ली के लिए रवाना हो गये है। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि नईदिल्ली मे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है जिसमें प्रदेश के सभी प्रमुखों को कई टिप्प दिये जाएंगे। कांग्रेस ने एसआईआर को लेकर अपना मोर्चा खोल दिया है बिहार में भी पार्टी को कोई विशेष सफलता नहीं मिल पाई है। दीपक बैज के अनुसार राज्य में बीएलओ द्वारा गणनापत्रक बांटे जा रहे है। कांग्रेस के साथियों ने एसआईआर को लेकर अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है। इस समय शिक्षकों तथा अन्य कर्मचारियों को बीएलओ बनाया गया है जिसके चलते शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। छग प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि फिलहाल कांग्रेस भवन में एसआईआर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होगी। इधर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि गत दिनों प्रदेश में हाईकमान द्वारा अर्ब्जवर भेजे गये थे जिन्होंने कार्यकर्ताओं से रायशुमारी ली है लेकिन अभी तक नये जिला अध्यक्षों की घोषण नहीं हुई हे।

ग्रामीण प्रतिभा का हुआ सम्मान विकासखंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन

- कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल

रायपुर/ संवाददाता

विकासखंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का समापन आज बलौदाबाजार स्पोर्ट्स स्टेडियम में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा तथा रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और सभी खिलाड़ियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि खेल जीवन के हर उतार-चढ़ाव का सामना करना सिखाते हैं। सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहली बार किसी संसदीय क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ी एक साथ जुटे हैं, जो खेल जगत के लिए उत्साहजनक है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत-हार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना है। उन्होंने कहा कि खेलकूद से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है, साथ ही टीम स्पिरिट, अनुशासन और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा फिट इंडिया मिशन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए सांसद खेल महोत्सव की महत्ता बताते हुए कहा कि इससे युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। सांसद श्री अग्रवाल ने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ सरकार उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विभिन्न शासकीय सेवाओं में नियुक्त कर रही है और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले कई खिलाड़ी आज सरकारी पदों पर कार्यरत हैं। उल्लेखनीय है कि सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 21 सितंबर से 13 विधाओं में पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। 9ङ्क19 वर्ष एवं 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने खो-खो, कुश्ती, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, तैराकी, शरीर सौष्ठव, शतरंज, फुगड़ी, कबड्डी, गेड़ी दौड़, रस्सा-कस्सी और रस्सीकूद सहित अन्य खेलों में दमखम दिखाया। विजेता खिलाड़ी अब जिला एवं राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में सहभागिता करेंगे।

भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे -शताब्दी पांडेय......

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) चल रहा है। चुनाव आयोग के मार्गदर्शन में सभी बीएलओ घर-घर पहुँचकर मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के काम में लगे हैं। पाण्डेय ने सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में कहा कि भाजपा ने अपने बी एल ए 2 सभी बूथ स्तर पर नियुक्त कर दिए हैं, जिन्हें कहा गया है कि विशेष पुनरीक्षण के कार्य पर सुझाव देते रहें। भाजपा अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा कि भाजपा के पूर्व सांसद व एसआईआर प्रदेश प्रभारी जामयांग त्सेरिंग नामग्याल भी 6 दिनों के छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए हुए हैं। नामग्याल छत्तीसगढ़ में पाँच सम्भागीय स्तर पर एसआईआर टोलियों की बैठक लेकर मार्गदर्शन कर रहे हैं। पाण्डेय ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों को भी एसआईआर की जानकारी दी गई थी ताकि राजनीतिक दलों के बीएलए 1 व 2 बीएलओ के साथ रहकर पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर सकें। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन भाजपा कर रही है। सभी विधानसभाओं में भाजपा की ओर से नियुक्त बीएलए 1 बीएलए 2 पर नजर रखे हुए हैं और बीएलओ से सहयोगात्मक रवैया अपनाने का अनुरोध कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर, हर एक घर तक पहुंचकर हर एक परिवार का नाम दो बार मिलान कर रहे हैं एवं पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वा रहे हैं। इस संपर्क अभियान के माध्यम से पार्टी की बूथ समितियाँ मजबूत होंगी। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया से ऐसे व्यक्ति, जिनका एक से अधिक स्थानों पर नाम है, उनका नाम काटा जाएगा।

जिले में जोर-शोर से चल रही धान खरीदी

रायपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होते ही उपार्जन केंद्रों में रौनक बढ़ गई है। धान विक्रय के लिए किसान सुबह से ही उत्साहपूर्वक उपार्जन केंद्रों में पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव खरीदी कार्यों में दिखाई दे रहा है। उपार्जन केंद्रों में मॉइश्चर मीटर, डिजिटल तौल मशीनें, पर्याप्त बारदाना, टोकन प्रणाली, पेयजल, शेड और बैठने की व्यवस्था उपलब्ध होने से किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार श्री जी.एन. सिदार लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाए हुए हैं। आरंग विकासखंड के आमोदी उपार्जन केंद्र में भी धान विक्रय किया जा रहा है। यहाँ धौराभाटा से पहुंचे कृषक नंदकुमार साहू ने 120 क्विंटल, आमोदी के तामेश्वर साहू ने 6.40 क्विंटल, तथा श्री किशन कुमार साहू ने 40 क्विंटल धान का विक्रय किया। किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हमारे लिए बड़ी राहत है। केंद्रों में अच्छी व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे विक्रय में आसानी हो रही है। उन्होंने बताया कि समय पर टोकन, त्वरित तौल और उपलब्ध सुविधाओं के कारण प्रक्रिया तेज एवं पारदर्शी ढंग से संचालित हो रही है। किसानों ने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सहकारी कर्मचारियों के हड़ताल का कोई प्रभाव नही

राज्य के सभी जिलों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला जारी

- प्रतिदिन औसतन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन
- केन्द्रों में धान खरीदी की व्यवस्था से प्रसन्न है किसान

रायपुर/ संवाददाता

राज्य के सभी जिलों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का का सिलसिला बिना किसी व्यवधान के अनवरत रूप से जारी है। धान खरीदी शुरू हुए अभी चार दिन ही हुए है, इसके बावजूद भी राज्य के उपार्जन केंद्रों में धान की आवक तेजी से होने लगी है। राज्य में औसतन प्रतिदिन दो से ढाई लाख क्विंटल धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर होने लगा है। सहकारी समिति के कर्मचारियों के हड़ताल के बावजूद भी पूरे राज्य में धान खरीदी अप्रभावित है। सभी समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में धान लेकर आने वाले किसानों से बिना किसी रूकावट के धान खरीदी की जा रही है। कल 17 नवंबर को राज्य में किसानों से 2,43,831 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर की गई, जिसमें 1,05,342 क्विंटल मोटा, 71,603 क्विंटल पतला तथा 66,886 क्विंटल सरना धान शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य के सभी 2739 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा हेतु पारदर्शी टोकन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापक यंत्र, बारदाना एवं अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की गई है, ताकि किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो। धान उपार्जन के समानांतर किसानों को भुगतान की व्यवस्था भी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई है। इस साल धान खरीदी के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य विपणन संघ को 26,200 करोड़ रूपए की बैंक गांरटी दी है, ताकि किसानों को समर्थन मूल्य के भुगतान में किसी भी तरह की दिक्कत न होने पाएं। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के सभी 33 जिलों में धान खरीदी की शुरूआत हो चुकी है। रिपोर्ट के आधार पर 17 नवंबर को 725 उपार्जन केन्द्रों में किसानों ने अपना धान बेचा है। बेमेतरा जिले में सर्वाधिक 39,015 क्विंटल धान का

उपार्जन किया गया, जबकि राजनांदगांव जिले ने 35,162 क्विंटल और रायपुर जिले ने 28,272 क्विंटल धान का उपार्जन कर क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर है। खाद्य विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 17 नवंबर को बस्तर जिलें में 95.2 क्विंटल बीजापुर में 137.2 क्विंटल, दंतेवाड़ा में 1.6 क्विंटल, कांकेर में 80, कोण्डागांव में 1147.6, नारायणपुर में 7.2, सुकमा में 24.4, बिलासपुर में 1573.6, गौरेला-पेड्रा-मरवाही में 2550, जांजगीर चांपा में 67.6, कोरबा में 97.2, मुंगेली में 2224, रायगढ़ में 1413.2, सक्ती में 48, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 917.6, बालोद में 19656, बेमेतरा में 39015.2, दुर्ग में 27699.2, कवर्धा में 3682.4, राजनांदगांव में 35162.4, खैरागढ़-छूईखदान-गंडई में 14322.8, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी में 834.8, बलौदाबाजार में 19419.6, धमतरी में 25227.2,गरियाबंद में 9106.4, महासमुंद में 1073.6, रायपुर में 28272.4, बलरामपुर में 612.4, जशपुर में 224, कोरिया में 1193.6, सरगुजा में 276.8, सूजरपुर में 1456.4, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 212 क्विंटल धान का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया गया। जिलों से मिली रही सूचना के अनुसार उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की चॉक-चौबंद व्यवस्था को लेकर किसान प्रसन्न है। उन्हें उपार्जन केन्द्र में धान बेचने के लिए न तो इंतजार करना पड़ रहा है, न ही धान तौलाई में किसी भी तरह की दिक्कत हो रही है।

संपादकीय

विपक्ष का कोई पैतरा नहीं आया काम

बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है। पहला, इस चुनाव का माहौल बनना शुरू हुआ था स्पेशल इटेनशिप रिवीजन से और आखिर में जंगलराज पर आकर टिक गया। महागठबंधन ने एसआईआर को वोट चोरी के रूप में पेश किया। प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को जिस तरह की दिक्कत आई, उससे ऐसा माहौल बना भी कि जनता में नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन, लगता है कि आखिर में जनता ने इसे एक जरूरी प्रक्रिया समझ कर स्वीकार किया। दूसरा, इलेक्शन में एनडीए की ओर से सबसे ज्यादा कोई शब्द सुनाई पड़ा, तो वह था जंगलराज। यह लड़ाई अतीत की याद बनाम भविष्य के बीच भी थी। और केवल इसी बार नहीं, पिछले दो दशकों में बिहार में हुए हर चुनाव पर लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की छाया रही है। दोनों ही सक्रिय राजनीति में नहीं हैं, लेकिन एनडीए ने उन्हें चर्चा में बनाए रखा। तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे। तीसरा, नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं। उनके खराब स्वास्थ्य को लेकर भी अटकलें होती रहीं। लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े पॉलिटिकल ब्रैंड हैं। वह अब तक नौ बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। चौथा, बिहार के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि क्या यह बदलाव का समय है और विकल्प कौन हैं? दोनों चरणों में रेकॉर्ड मतदान हुआ। यह संकेत था कि परिणाम भी ऐतिहासिक होगा। पांचवां, यह चुनाव याद रहेगा फ्रीबीज की घोषणा के लिए। पहली बार बिहार ने इस तरह के ऐलान देखे, जहां दोनों तरफ से होड़ मची हुई थी। दोनों खेमों ने महिलाओं और युवाओं पर फोकस किया।

बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जनता के बदलते मन-मिजाज की एक झलक पेश की है। ताजा चुनाव परिणाम शायद इसी ओर इशारा कर रही है कि कुल मिलाकर जदयू, बीजेपी एवं एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता है। क्या पीएम मोदी बिहार की अर्थव्यवस्था को लेकर कोई बड़ा फैसला करेंगे और इसके साथ ही अब वह क्या रणनीति अपनाएंगे। बिहार में मुकाबला मुख्य रूप से जदयू के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनडीए और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच था। इस बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के एक्जिट पोल नतीजे के बाद जो आश्चर्यकारी परिणाम आये हैं, उसकी गूंज आने वाले पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखायी देगी।

बिहार में नीतीश कुमार का जादू बरकरार

(बरुण कुमार सिंह)

लोकतंत्र के इस मंदिर की चैखट पर विराजमान दृश्य कुछ ऐसा है जिसमें हालात किसी एक पार्टी तक ही सीमित नहीं, बल्कि सभी प्रमुख दलों में टिकटों की दावेदारी में राजद व कांग्रेस और जदयु व भाजपा, लोजपा और इसके साथ ही कोई भी अन्य दल इनसे अछूता नहीं है। 10,000 रुपये महिलाओं के खाते में भेजने के कारण महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ा और उन्होंने नीतीश सरकार के लिए जमकर मतदान किया जो आज के चुनाव परिणाम में दिखाई दे रहे हैं, इस चुनाव परिणाम ने सारे एग्जिट पोल को झुठला दिया। इस चुनाव परिणाम ने जदयू, भाजपा एनडीए गठबंधन की सत्ता को बरकरार रखा बल्कि उनकी ताकत एवं सीटों में इजाफा पहले से बहुत ही बेहतर हुआ है। चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि नीतीश का जादू अभी भी बिहार में बरकार है। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की दर्जनों रैलियां बताती हैं कि एनडीए इस चुनाव को लेकर कितना संवेदनशील है। क्योंकि इसका असर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी असर देखने को मिलेगा। नीतीश कुमार का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है, खास तौर पर महिलाओं की वजह से, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर उनका नाम औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। इससे उनका वोटर कुछ असहज रहा। राजद महागठबंधन का स्तर बहुत मुश्किल भरा रहा है, आरजेडी अपने पिछले प्रदर्शन को भी कायम नहीं रख सकी 1 नंबर से वह 3 नंबर पर पहुंच गई, इस बार का उसका प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा, उसके मुद्दे और वायदे जनता को पिछली बार की तरह नहीं आकर्षित कर पाई। सत्ता में उसकी आने की कोशिश और पीछे चली गई। पिछली बार आरजेडी ने 75 सीटें जीती थीं, जो आज 28 सीटों पर सिमट कर रह गई। सरकारी नौकरियां, माई बहन योजना, 30000 रुपये महिलाओं को सरकार बनते ही एकमुश्त देने की घोषणा एवं आजीविका दीदी को पक्की नौकरी और उनकी वेतन 30000 रुपये तक करने का वायदा भी कुछ खास असर नहीं कर पाया। जनसुराज पार्टी की स्थिति मोटे तौर पर निराशाजनक ही कही जाएगी, क्योंकि वह पार्टी अपना खाता तक नहीं खोल पाया। प्रशांत किशोर खुद कहते रहे हैं कि या तो अर्श पर होंगे या फर्श पर। अगर नतीजे उनके पक्ष में नहीं आए वे इसे अपने बयान की पुष्टि ही मानेंगे। प्रशांत किशोर ने शुरुआत में कहा था कि वे राघोपुर से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बाद में पीछे हट गए, इससे उनके कार्यकर्ता निराश हुए, जब नेता ही मैदान छोड़ दे, तो कैडर का मनोबल गिरना स्वाभाविक है। महागठबंधन में भी तालमेल की कमी दिखी। चुनाव से दस दिन पहले तक पार्टियों में बातचीत नहीं हो रही थी। पिछली बार के मुकाबले नीतीश कुमार की सीटें बढ़ी, एनडीए के भाजपा सहित सभी दलों ने अपना स्ट्राइक रेट बेहतर किया है। पहले के चुनाव में चिराग पासवान नीतीश के विरोध में लड़े थे, लेकिन इस बार वह नीतिश के साथ थे, इससे दोनों दलों एवं एनडीए गठबंधन को इसका फायदा मिला। बिहार के लोगों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति भरोसा अभी भी बना हुआ है। चुनाव परिणाम ने पूर्व के सारे अनुमान को गलत साबित कर दिया क्योंकि एंटी-इनकंबेंसी का असर घोषित चुनाव परिणाम में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ रहा है। बिहार में कुल 67.13 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ। लेकिन महिलाओं ने इससे भी आगे बढ़कर 71.78 फीसदी मतदान किया, जबकि पुरुषों का मतदान फीसदी 62.98 प्रतिशत रहा। कई जिलों में महिलाओं ने पुरुषों से 10 से 15 फीसदी ज्यादा वोटिंग की। महिलाएं पिछले 15 सालों से लगातार ज्यादा संख्या में वोट कर रही थीं, लेकिन 2025 में उनकी भारी भागीदारी ने सबको चैंका दिया। नीतीश कुमार की 10वीं पारी सुनिश्चित करने में महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये का कैश ट्रांसफर टर्न अराउंड का सबसे बड़ा फैक्टर साबित हुआ। महिला वोटरों का भरोसा उनके पक्ष में मजबूत हुआ और विपक्ष की रणनीति कमजोर पड़ गई। नीतीश की ये स्कीम चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई। इस योजना के तहत 1.5 करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। इसका अप्रत्यक्ष असर लगभग 4 से 5 करोड़ परिवारों पर पड़ा। कहा जा सकता है कि इस स्कीम ने नीतीश और बीजेपी को तगड़ा वोट हासिल करने में मदद की है। महिलाओं के पक्ष में स्कीम डिलीवरी का नीतीश कुमार का लंबा इतिहास रहा है। इसमें मुफ्त साइकिल, शराबबंदी, छात्रवृति, पंचायत में 50 प्रतिशत सीटों का आरक्षण, सरकारी नौकरी में 35 फीसदी आरक्षण अहम हैं। इस बार नीतीश कुमार ने 10 हजार नगदी देने का न सिर्फ वादा किया बल्कि इसे डिलीवर भी किया। इसका नतीजा उन्हें महिलाओं के बंपर वोटों के रूप में मिला।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बिहार इलेक्शन में प्रशांत किशोर कागज के फूल साबित

प्रो. मनोज कुमार

बिहार इलेक्शन में प्रशांत किशोर कागज के फूल साबित हुए हैं. चुनाव परिणाम के पहले वे कह रहे थे कि उनकी पार्टी जनसुराज को 135 सीट मिली तो यह उनकी बड़ी हार होगी. यानि वे डेढ़ सौ से पार सीट की उम्मीद लगाये बैठे थे लेकिन परिणाम में वे शून्य पर खड़े रहे. वैसे थोड़ा उन्नीसा-बीसा मान लें तो बिहार का चुनाव परिणाम बहुत ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है. लगभग सब पहले से तय था. यह चुनाव मैनेजेंट का परिणाम है. यादा होगा कि कभी कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजयसिंह ने कहा था कि चुनाव मैनेजमेंट से जीते जाते हैं तो कोहराम मच गया था लेकिन बीते दो दशकों में चुनाव मैनेजमेंट से ही जीते जा रहे हैं. मैनेजमेंट की परिभाषा अनेक तरह से गढ़ा जा सकता है, वह भी अपने-अपने तरीके से लेकिन निष्कर्ष यही निकलता है कि चुनाव मैनेजमेंट से जीते जाते हैं. हालाँकि इस चुनाव में कभी अपने चुनाव मैनेजमेंट के लिए ख्यात रहे प्रशांत किशोर नेपथ्य में चले गए. कभी भाजपा को लोकसभा में पूर्ण बहुमत दिलाने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर का खाता भी नहीं खुला. प्रशांत किशोर का कहना था कि मुझे बिहार की सेवा करना है।' शायद मतदाताओं ने पहले ही उनकी मन की बात पढ़ लिया था, सो उन्हें सादगी से सेवा करने के लिए शून्य पर ला खड़ा किया.

प्रशांत किशोर की पहचान चुनावी रणनीतिकार के रूप में रही है और उन्हें कामयाबी भी मिलती रही है. उन्हें यह लगने लगा था कि जितनी मेहनत मैं दूसरे राजनीतिक दलों के लिए करता हूँ, उतनी स्वयं के लिए करूं तो मेरा अपना दबदबा होगा. शायद इसी सोच के साथ पीके ने जनसुराज पार्टी बनाकर चुनाव मैदान में कूद पड़े. सारी रणनीति और मंसूबे धरे रह गए. कहां तो सिकंदर बनने निकले और कहां. ये होता है और हुआ भी. हालाँकि इसका दुष्परिणाम महागठबंधन को भी भुगतना पड़ा क्योंकि उनके हिस्से का वोट बंट गया. महागठबंधन को विपक्ष में बैठना था, बैठेंगे लेकिन स्वयं पीके अपने लिए कोई ठौर नहीं बचा पाये.

प्रशांत किशोर के बारे में मेरी धारणा यही रही है कि वे चुनावी रणनीतिकार के रूप में कामयाब हैं लेकिन राजनेता के रूप में वे फेलुअर साबित होंगे. वे ना तो असम के प्रफुल्ल कुमार मोहंता बन पाए और ना दिल्ली के अरविंद केजरीवाल. पीके का मुकाबला ना तो ममता बेनर्जी से था और ना शरद पवार से. वे उम्मीदों से उपजे नेता थे. वे विद्यार्थी आंदोलन से निकले होते तो मोहंता की तरह विजयी होते और तो और किसी जनआंदोलन से भी बने होते तो केजरीवाल होते लेकिन वे कागज की नाव पर सवार थे. अब प्रशांत किशोर का नया आरोप है कि बिहार में एनडीए ने जो दस-दस हजार रुपये महिलाओं को बांटे, वो विश्व बैंक का पैसा है और केन्द्र सरकार ने इसमें मदद की है. थोड़ी देर के लिए पीके के आरोप को मान भी लें तो क्या वे बताएंगे कि चुनाव परिणाम से पहले उनका यह आरोप सामने क्यों नहीं आया? इसे कहते हैं खिसीयानी बिल्ली खंबा नोंचे. अब तो पांच साल के लिए उन्हें बाहर ही खड़ा रहना होगा. रणनीतिकार से राजनेता बनने की उनकी मंसूबा से उनकी नई नवेली पार्टी जनसुराज की नैया तो डूबती दिख रही है. अब उनकी कंपनी की साख पर भी आंच आ सकती है. कल तो जो राजनीतिक पार्टियां उनकी कंपनी को अवसर देती थीं, वह अब शायद ना मिले.

प्रशांत किशोर के इस हाल से अनायस कुमार विश्वास का स्मरण हो जाता है कि उन्हें भी लगता था कि आम आदमी पार्टी उनके दम पर ही खड़ी हुई है. दिल्ली में सरकार बनाने में सारा दारमोदार उनके कंधों पर था. पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल को हाशिये पर रखने की भरपूर कोशिश के बाद सफल नहीं होने पर कुमार विश्वास को मंच पर कविता पढने लौटना पड़ा. हालांकि उनके मन में राजनेता न बन पाने का ऐसा मलाल है कि हर कविता के पहले वे अपनों ने धोखा दिया का, राग जरूर अलपाते हैं. एक बार तो उन्हें लगा कि वे राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और उनकी उम्मीद थी कि भाजपा उन्हें हाथोंहाथ लेगी. लेकिन वहां भी उन्हें निराशा मिली. ना आप ने राज्यसभा भेजा और ना भाजपा ने अपने खेमे में बुलाया. दरअसल राजनीति के मैदान में उतरना आसान है लेकिन स्वयं को बनाये रखना बहुत ही मुश्किल है. कुमार विश्वास और प्रशांत किशोर के पहले ऐसे दर्जनों लोग राजनीति में हाथ आजमा कर किनारा कर चुके हैं. आगे भी ऐसे लोगों की भीड़ आएगी लेकिन राजनीति में उनका ही परचम फहरेगा जो सब छोडकर, धक्के खाकर और उसी में रमे रहेंगे.

राजनीति साधना और सर्मपण मांगती है. यह पार्टटाइम काम नहीं है बल्कि इसके लिए पैरों में छाले पड़ जाते हैं. कुछेक लोग होते हैं जो जहाज से उतर कर सफल हो जाते हैं लेकिन ऐसे थोड़े हैं. दिल्ली के बाद बिहार कुमार विश्वास और पीके के जरिए सिखाता है कि राजनीति की राह इतनी आसान नहीं

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

बगावत की चिंगारी को बुझा कर बहुमत की ज्वाला पैदा करना कोई अमित शाह से सीखे

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह रणनीति को तीन आयामों में रचते हैं– संगठन, समाज, और संदेश। यही भाजपा का वह मॉडल है जिसने उसे बार-बार कठिन इलाकों में जीत दिलाई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्ट्राइक रेट का 90 प्रतिशत से ऊपर रहना संगठनात्मक पराक्रम का भी परिणाम है। चुनाव से पहले के हालात पर गौर करें तो नीतीश कुमार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी को खत्म करना सबसे बड़ी चुनौती थी। साथ ही गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बँटवारे और सबको साथ लेकर चलने की चुनौती भी थी। ऐसे में अमित शाह ने यह जिम्मेदारी अपने हाथ में ली। बिहार में अमित शाह ने 4-5 महीने पहले ही मोर्चा संभाल लिया था। अमित शाह के कमान संभालने के बाद भाजपा और सहयोगियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। अमित शाह (जेडीयू),एलजेपी, आरएलएसपी और हम को एक मंच पर लेकर आये। सीट-दर-सीट जातीय समीकरण का सटीक विश्लेषण किया गया और संभावित विवादों को समय रहते शांत किया गया। यह वह काम है जो सामान्यतः चुनाव घोषित होने के बाद शुरू होता है लेकिन अमित शाह ने महीनों पहले इसकी नींव तैयार कर दी थी।

देखा जाये तो अमित शाह का चुनावी अभियान केवल मंच के भाषणों तक सीमित नहीं होता। उनकी शैली हमेशा जमीनी संरचना को मजबूत करने पर आधारित होती है। 5 जिला स्तरीय संगठन बैठकें, 5 क्लस्टर स्तर की बैठकें, 35 विशाल रैलियाँ, 1 महत्त्वपूर्ण रोड शो और और हर दौरे पर कोर ग्रुप के साथ बैठकें की गयीं। इस दौरान अमित शाह लगातार एक ही बात दोहराते रहे कि 'बूथ जीते बिना चुनाव नहीं जीता जाता।' उनका यह फोकस बालू की दीवार को भी कंक्रीट का किला बना देता है। अमित शाह की निगरानी में बिहार में भाजपा का बूथ नेटवर्क तगड़ा हुआ और परिणाम सामने आया– प्रचंड जनादेश। हालांकि यह दांव जितना आकर्षक था, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि ज़मीनी स्तर पर तुरंत असंतोष की लहर उठी। वर्षों से पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे और कई ने बगावत की चेतावनी दे दी। स्थिति ऐसी थी कि यह प्रयोग भाजपा के लिए आत्मघाती भी साबित हो सकता था। लेकिन राजनीति में संकट वहीं खत्म होता है जहाँ अमित शाह का प्रवेश होता है। चुनावी अभियानों के महारथी, संघटनात्मक इंजीनियरिंग के सिद्धहस्त और आधुनिक भारतीय राजनीति के अजेय रणनीतिकार, अमित शाह ने एक बार फिर दिखा दिया कि उन्हें यूँ ही भाजपा का 'चाणक्य' नहीं कहा

जाता। हम आपको बता दें कि अलिनगर उन सीटों में से थी जिन्हें भाजपा पारंपरिक रूप से अनुकूल नहीं मानती। मैथिली ठाकुर जैसे युवा चेहरे को उतारना प्रधानमंत्री मोदी के उस बड़े प्रयोग का हिस्सा था जिसमें वह पार्टी में युवाओं, कलाकारों और नई पीढ़ी को निर्णायक भूमिका में लाना चाहते हैं। लेकिन पुराने कार्यकर्ताओं की नाराज़गी ने स्थिति को नाजुक बना दिया। यहीं अमित शाह ने अपनी विशिष्ट शैली में कमान संभाली। उन्होंने थकान को दरकिनार करते हुए एक के बाद एक फोन कॉल किए, हर 'आक्रोशित' नेता को शांत किया, हर असंतुष्ट कार्यकर्ता को सुना और धीरे-धीरे बगावत की आग को पूरी तरह शांत कर दिया। यह वही हस्तक्षेप था जिसने मैथिली ठाकुर के लिए रास्ता साफ किया। पार्टी के दिल्ली और पटना दोनों ही धड़ों में यह स्वीकार किया गया कि अलिनगर की ऐतिहासिक जीत अमित शाह की अथक मेहनत और उनके अद्वितीय संकट प्रबंधन क्षमता का परिणाम थी। बात सिर्फ अलिनगर की भी नहीं है क्योंकि रूठों को मनाने और असंतुष्टों को समझाने का काम अमित शाह ने पूरे बिहार में किया। उन्होंने बगावत की चिंगारी को बुझा दिया और बहुमत की ज्वाला पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव प्रचार के पूरे अभियान के दौरान अमित शाह ने अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकों, संवादों और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति राजनीतिक सद्भावना को भी सार्थक दिशा दी। देखा जाये तो अमित शाह की चुनावी शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह रणनीति को तीन आयामों में रचते हैं– संगठन, समाज, और संदेश। यही भाजपा का वह मॉडल है जिसने उसे बार-बार कठिन इलाकों में जीत दिलाई है। देखा जाये तो चुनाव सिर्फ प्रचार से नहीं जीते जाते। चुनाव जीते जाते हैं संयम, संवाद, रणनीति और समय पर लिए गए सटीक निर्णयों से। यह जीत बताती है कि असंतोष चाहे कितना भी गहरा हो, संगठनात्मक नियंत्रक की भूमिका में अमित शाह अतुलनीय हैं। युवा चेहरों को आगे लाने का मोदी-शाह मॉडल सिर्फ प्रयोग नहीं, यह भविष्य की राजनीति का रोडमैप है। भाजपा अब सिर्फ परंपरागत समीकरणों पर नहीं, बल्कि नए सामाजिक-राजनीतिक प्रयोगों पर खड़ी एक गतिशील पार्टी बन चुकी है। अमित शाह भले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं, लेकिन पार्टी आज भी हर बड़ी चुनावी लड़ाई में उनके नेतृत्व-क्षमता पर ही निर्भर रहती है। वह महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी कठिन परिस्थितियों को अवसरों में बदल चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत है– राजनीति को भावना नहीं, प्रणाली के तौर पर देखना। अगला चुनावी युद्धक्षेत्र पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि बंगाल के जंगलराज को समाप्त करना है। माना जा रहा है कि अमित शाह अब बंगाल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। क्योंकि जहाँ मोदी जन-भावना जगाते हैं, वहाँ शाह जन-भावना को संरचना में बदलते हैं। बहरहाल, यदि राजनीति एक विद्या है, तो अमित शाह उस विद्या के अधिष्ठाता हैं– रणकौशल, बुद्धि और संगठनात्मक कठोरता के अद्वितीय संयोजन के साथ। अमित शाह की राजनीति आधुनिक चाणक्य की तरह निर्णायक और परिणाम-केंद्रित है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राजनांदगांव को मिला जल के क्षेत्र में बेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुरस्कार, दिल्ली विज्ञान भवन में दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हुआ राजनांदगांव

जिले को दो सम्मान, राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय से जनभागीदारी पुरस्कार

राजनांदगांव। राष्ट्रीय जल मिशन कार्यक्रम अंतर्गत राजनांदगांव जिले को एक साथ दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कर कमलों से यह सम्मान प्रदान किया गया। राजनांदगांव जिला, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों के निरीक्षण, पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन के बाद ईस्ट जोन का बेस्ट जिला चुना गया। यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर जितेंद्र यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सु सुरूचि सिंह ने प्राप्त किया। उसी कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में किए गए सराहनीय प्रयासों के लिए राजनांदगांव को छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ 2 करोड़ रूपए का जल संचय से जनभागीदारी प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किया गया। यह उपलब्धि वर्ष 2022 में प्रारंभ किए गए मिशन जल रक्षा के सफल क्रियान्वयन का परिणाम रही है, जिसमें जिले के नागरिकों, महिलाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, उद्योगपतियों और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार जिले के तीन विकासखंड भू-जल स्तर के मामले में सेमी-क्रिटिकल जोन में हैं। जिले में 85 प्रतिशत भू-जल सिंचाई, 13 प्रतिशत घरेलू उपयोग और 2 प्रतिशत औद्योगिक उपयोग में हो रहा है। तेजी से गिरते जल स्तर को देखते हुए जिले ने व्यापक रणनीति के साथ जल शक्ति अभियान - कैच द रेन मोर गांव मोर पानी के अंतर्गत मिशन जल रक्षा - नारी शक्ति से जल शक्ति की शुरूआत की।

भू-जल रिचार्ज के लिए तकनीकी नवाचार -

जिले में किए गए प्रमुख नवाचार- रिचार्ज सॉफ्ट बोरवेल एवं सेंड फिल्टर तकनीक द्वारा असफल बोरों मे रिचार्ज का प्रयास, परकुलेशन टैंक में इंजेक्शन वेल तैयार कर वर्षाजल को सीधे वाटर टेबल से जोडना, नए बोरवेल के साथ इंजेक्शन वेल का निर्माण, पहाड़ी क्षेत्रों में रिचार्ज संरचनाएं और लो-लाइन क्षेत्रों में जल संरक्षण संरचनाएं, संरचनाओं की मरम्मत, संधारण एवं जीआईएस-आधारित योजना निर्माण, इन कार्यों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी दर्ज की गई।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई जाएगी प्रियदर्शनी की जयंती आज

कोरबा। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की जयंती अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा द्वारा इंदिरा स्टेडियम टी. पी. नगर कोरबा में जयंती पर्व मनाया जावेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय नत्थुलाल यादव एवं मनोज चौहान ने संयुक्त रूप से बताया कि 19.11.2025 दिन बुधवार को प्रातः 10 बजे कार्यक्रम आयोजित है। अध्यक्ष द्वय ने जिला कांग्रेस, ब्लाक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, युथ कांग्रेस, एनएसयूआई, समस्त पार्षदगण, समस्त पूर्व पार्षदगण, एल्डरमेन, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधिगणों सहित समस्त प्रकोष्ठो एवं इंटक परिवार के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यो एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व सभापति सहित कांग्रेस पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

नशा मुक्त भारत के लिए नगर निगम में ली गई शपथ

राजनांदगांव। नशा मुक्त भारत अभियान के 5वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 18 नवम्बर को समापन समारोह आयोजित करने तथा नशा मुक्त भारत अभियन की सफलता हेतु शपथ लेने शासन निर्देश के अनुक्रम में आज नगर निगम द्वारा टाउन हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया तथा नशा मुक्ति के लिए शपथ ली गई। टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष अध्यक्ष टोपेंद्र वर्मा ने नशा पान नहीं करने शपथ लेने के अलावा उसके दुष्परिणामों को प्रचारित कर नशा मुक्त भारत अभियान में जुड़ने कहा। साथ ही आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने अधिकारियों व कर्मचारियों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई कि युवा किसी राष्ट्र की शक्ति होते है, जिनका समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि अधिक से अधिक युवा नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े। देश के सामने मौजूद इस चुनौती को स्वीकार करते हुए आज हम सब नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर संकल्प लेते है कि केवल हमारा समाज, परिवार, मित्र बल्कि हम स्वयं भी नशा मुक्त रहेगे, क्योकि बदलाव की शुरूआत खुद से होती है। उपस्थित अधिकारियो व कर्मचारियो ने अपने देश को नशा मुक्त बनाने के लिए भरसक प्रयास करने का शपथ लिया।

फूड सेफ्टी के नाम पर दिखावा : डोंगरगांव रोड पर गुटखा प्रोडक्शन, फ्रुट मार्केट में खुलेआम बिक्री

प्रतिबंधित गुटखा विक्रय पर औपचारिक कार्रवाई, सवाल बड़े प्रतिष्ठानों से दूरी क्यों

जिले में बड़ी मात्रा में जर्दा गुटखा बनाया जा रहा, बीच बाजार बेचा भी जा रहा

राजनांदगांव। छग में जर्दा गुटखा का पर प्रतिबंध लगा हुआ है, इसी के तहत नंदई चौक स्थित गेणेश किराना स्टोर्स पर कार्रवाई की गई, वहां प्रतिबंधित केशर युक्त सितार का विक्रय करना पाया गया। ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन बड़ा सवाल फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट को लेकर यह उठ रहा है कि ऐसे जुर्दा गुटखा का प्रोडक्शन डोंगरगांव रोड पर बड़ी मात्रा में किया जा रहा है। वहीं शहर के बीच फ्रूट मार्केट के व्यापारी खुलेआम लाखों की बिक्री कर रहे हैं, आखिर इन लोगों से विभाग क्यों दूरी बनाकर रखा है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और विभागीय की ओर से की जाने वाली छोटी कार्रवाई औपचारिक ही नजर आ रही है। मिली जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा गणेश किराना स्टोर्स की जांच की गई। जांच में प्रतिबंधित केशर युक्त सितार विक्रय हेतु भंडारित पाया गया। जिसे जप्त कर नमूना जांच हेतु लैब भेज दिया गया है। लगभग 7 हजार मूल्य की एक बोरी सितार सामग्री को सीज कर विक्रेता की अभिरक्षा में रखा गया है। दुकान का निरीक्षण करने पर बड़ी मात्रा में कालातीत सामग्री अव्यवस्था के बीच भंडारित पायी गई। टीम द्वारा दुकान को बंद कराया गया और दुकान में उचित साफ-सफाई के बाद ही व्यापार करने कहा गया। नियमों का पालन नहीं करने पर खाद्य अनुज्ञप्ति पंजीयन निरस्तीकरण की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इसी तरह एक अन्य मामले में साबुन डिटेर्जेंट के होलसेलर विक्रेता अनिल ट्रेडिंग के संचालक द्वारा बिना वैध अनुज्ञप्ति पंजीयन के चायपत्ती का कारोबार किया जा रहा था। जिस पर टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए नमूने जप्त कर बिना लायसेंस कारोबार का प्रकरण दर्ज किया गया एवं जांच की कार्रवाई जारी है।

विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

शहर खाद्य पदार्थों को लेकर कोई मापदंड पूरा होता नहीं दिख रहा है। यहां चावल-मैदा से बनने वाले सामान नियमों को ताक में रखकर बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा गुटखा का व्यापार हर दिन लाखों रुपए का है। इन पर शिंकजा कसने में खाद्य सुरक्षा विभाग नाकाम ही रहा है। मिलाकर खाद्य पदार्थ कम दामों पर बेचे जा रहे हैं, जो पैकेट फूड आइटम बड़ी कंपनियों के 5 से 10 रुपए बिक रहे हैं, उनसे मिलता-जुलता प्रोडक्ट 3 से 5 रुपए में बनाया जा रहा है। बाकायदा लाइसेंस लेकर काम किया जा रहा है, लेकन खाद्य नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 07 दिसंबर को

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 07 दिसम्बर को आयोजित की गई है जिसके लिए 756 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जहां प्रातः 12:00 बजे से 02:15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी। जिसमें लगभग 2 लाख 29 हजार 970 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 16 जिलों (अंबिकापुर, कोरिया, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, धमतरी, दुर्ग, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कांकेर, कबीरधाम, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़, रायपुर, राजनांदगांव) में आयोजित की जा रही है। जिसमें राज्य के सभी 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। जशपुर जिले के 12 निर्धारित परीक्षा केंद्रों में 4717 जिले के परीक्षार्थी शामिल होंगे।अभ्यर्थियों को 2 घंटे पहले परीक्षा केन्द्र पहुंचना होगा अनिवार्य- व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर (व्यापम) द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शिता पूर्ण एवं सफलतापूर्वक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। अभ्यर्थी परीक्षा से पूर्व इन दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें और निर्धारित समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों व समुचित पहनावे के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचें। निर्देशों का पालन नहीं करने पर अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।व्यापम द्वारा आयोजित आगामी सभी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में परीक्षा शुरू होने के कम से कम 02 घण्टे पहले परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के निर्देश दिए गए है। ताकि प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों का अनिवार्य रूप से फ्रिस्किंग समय पर किया जा सके। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। इसके लिए परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान रखेंगे।हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा में हो शामिलपरीक्षा में शामिल होने परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा में शामिल हो (काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़ा पहनना वर्जित होगा)।

कोसाबाड़ी के सब्जी विकेताओं ने उद्योग मंत्री व महापौर को तौला सब्जी व फल से, वेडिंग जोन की सौगात पर जताया आभार

कोरबा। कोरबा के कोसाबाड़ी वेंडिंग जोन के सब्जी फल विक्रेताओं ने भारी उत्साह दिखाते हुए उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत को फल व सब्जियों से तौला व्यवसायियों से उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर राजपूत का आतशी स्वागत करते हुए वेंडिंग जोन की सौगात दिए जाने पर उनके प्रति हार्दिक आभार जताया, वहीं उद्योग मंत्री देवांगन ने वेंडिंग जोन का लोकार्पण किए जाने के साथ ही वार्ड क्र. 31 में 03 करोड़ 30 लाख रूपये की लागत वाले विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यो की सौगात देते हुए कार्यो का भूमिपूजन किया तथा त्वरित रूप से कार्य प्रारंभ कर समयसीमा में कार्यो को पूरा करने एवं कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कोसाबाड़ी चैक में सड़क के किनारे बरसों से फल सब्जी की दुकान लगाकर व्यवसाय करने वालें लघु व्यवसायियों को उनके व्यवसाय हेतु सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के मद्देनजर 19 लाख 65 हजार रूपये की लागत से वेंडिंग जोन का निर्माण कराया गया है, प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वेंडिंग जोन का लोकार्पण किया तथा लघु व्यवसायियों को सुव्यवस्थित दुकानों की सौगात प्रदान की, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई। इसी प्रकार उद्योग मंत्री देवांगन ने वार्ड क्र. 31 के विभिन्न स्थानों में सड़क, नाली, नाला, बाउण्ड्रीवाल, सड़क रोशनी व्यवस्था आदि से जुड़े 03 करोड़ 30 लाख रूपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन भी किया। कोरबा की जनता से मिले अपार प्यार, स्नेह के लिए दिल से आभारी हूँ - इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि कोरबा की जनता ने जो प्यार, स्नेह मुझे दिया है तथा मुझ पर सदैव अपना विश्वास जताया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होने कहा कि मैं जो कुछ भी हूँ तथा जनताजनार्दन की सेवा कर पा रहा हूँ वह सब कोरबा की जनता के प्यार व स्नेह के कारण ही संभव हुआ है।

उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास हो रहा है, उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसान, मजदूर, गरीब, निर्धन, महिला, नौजवान सहित समाज के सभी वर्गो के उत्थान एवं उनका जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए व्यापक पैमाने पर योजनाएं संचालित कर देश की दशा व दिशा में ऐतिहासिक बदलाव लाया है।

दसवां साल बेमिसाल: कार्यालय उदघाटन एवं भूमि पूजन के साथ मुंगेली के त्यौहार के नाम से प्रसिद्ध मुंगेली व्यापार मेला 2025 की तैयारियों का आगाज़

मुंगेली। स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी, मुंगेली द्वारा 25 नवंबर से शुरू होने वाले सात दिवसीय मुंगेली व्यापार मेला की तैयारियाँ विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन एवं कार्यालय उद्घाटन कर प्रारंभ की गईं। आयोजन की सफलता के लिए आयोजित बैठक में इस वर्ष मेले में छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी उत्पादों के अधिकतम स्टॉल लगाने की रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऑटोमोबाइल, लघु एवं कुटीर उद्योगों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित स्टॉल स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे अधिक से अधिक आमजन को लाभ मिल सके। संस्था के सचिव एवं स्टॉल प्रभारी विनोद यादव ने बताया कि इस बार स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित कर अधिक स्टॉल लगाने की कोशिश की जाएगी, ताकि उन्हें भी बाहरी व्यापारियों की तरह बड़ा लाभ मिल सके। उन्होंने जानकारी दी कि मेले में 300 स्टॉल लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से लगभग 200 स्टॉल बुक हो चुके हैं। संयोजक रामपाल सिंह ने कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे प्रदेश में रजत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए मेले की थीम रजत महोत्सव तथा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित रखने की योजना है। उन्होंने कहा कि संस्था पिछले 9 वर्षों से मेले का सफल आयोजन कर रही है और इस बार इसकी भव्यता को राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।अध्यक्ष महावीर सिंह ने कहा कि इस बार लोगों में खासा उत्साह है, इसलिए दसवें वर्ष के इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को अधिक मेहनत करनी होगी। बैठक के अंत में सहसंयोजक रामशरण यादव ने कहा कि ÷दसवाँ साल बेमिसाल÷ बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इस बार मेले में अनेक नई गतिविधियाँ और आकर्षण देखने को मिलेंगे। साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए भी विशेष योजना बनाई गई है। इस अवसर पर संयोजक रामपाल सिंह, सहसंयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, कोषाध्यक्ष राज परिहार, एवं दिनेश गोयल, सतपाल मकड़, विकास जैन, दीपक जैन, श्रेणिक पारख, देवशंकर श्रीवास्तव, देवेंद्र सिंह परिहार, गौरव जैन, आशीष सोनी, अनीश जैन, रणवीर सिंह, अनुराग सिंह, सूरज मंगलानी, निलेश केसरवानी, गिरीश सुथार, राहुल साहू, सुनील वाधवानी, आशीष सिंह, कोमल चैबे, नागेश साहू, मुकेश पांडे, पप्पू शर्मा, आर्या सिंह, राहुल मल्लाह, श्रेयांश बैद, पवन यादव, रवि साहू, दिलबाग सिंह, धीरज जैन, देवेंद्र सिंह, वैभव ताम्रकार, संदीप सिंह, रॉकी सलूजा, अजय चंद्राकर, वासु पांडेय, रघुराज सिंह, त्रकान्त सिंह, संतोष जांगड़े, सुरेश यादव, परमेश्वर देवांगन सहित संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के मॉनिटरिंग सेल तथा अंडर ट्रायल रिव्यु कमेटी की बैठक सम्पन्न

जशपुरनगर। प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर सत्येन्द्र कुमार साहू की अध्यक्षता में जिला न्यायालय जशपुर के सभाकक्ष में मॉनिटरिंग सेल तथा अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की माह नवंबर 2025 की मासिक बैठक का आयोजन विगत दिवस 17 नवम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ। प्रधान जिला न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार साहू द्वारा 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत, बंदियों के संबंध में चर्चा की गई साथ ही वी.सी. की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया। उक्त कार्यक्रम में मान् शैलेश अच्युत पटवर्धन, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश जशपुर, जनार्दन खरे,मान. जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (एफटी.सी.) जशपुर, मती सरोजनी जर्नादन खरे, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश जशपुर न्यायालय के अति. न्यायाधीश जशपुर, सुमन सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जशपुर, कु श्वेता बघेल, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मान् रोहित व्यास, कलेक्टर जशपुर, शशि मोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक जशपुर, प्रदीप कुमार साहू अपर कलेक्टर जशपुर, उपसंचालक, अभियोजन जिला जशपुर, श्याम लाल,जेल अधीक्षक जशपुर,, जिला लोक अभियोजक, जिला जशपुर सुदेश गुप्ता, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम जशपुर उपस्थित रहे।

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के पांच धान उपार्जन केंद्रों में हुई जोरदार शुरुआत, किसानों में उमंग

पहले ही दिन 475.20 क्विंटल धान की खरीदी

मनेन्द्रगढ़। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का सीधा लाभ अब गांव-गांव के किसानों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल और प्रति क्विंटल 3100 रुपये की दर से धान खरीदी की घोषणा किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रही है। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में धान उपार्जन के दूसरे दिन पांचों केंद्रों में खरीदी की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। सभी केंद्रों में पूजा-अर्चना के बाद जैसे ही तौल मशीनें चलीं, किसानों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता झलक उठी। शासन की पारदर्शी प्रक्रिया, कड़ी निगरानी और बेहतर प्रबंधन के कारण सभी उपार्जन केंद्रों में खरीदी सुचारू रूप से संपन्न हुई। केल्हारी:- केल्हारी उपार्जन केंद्र में सहायक नोडल अधिकारी ओम प्रकाश वास, प्रभारी सरस्वती गुप्ता और सहायक प्रभारी राम प्रताप सिंह की देखरेख में खरीदी पारदर्शी ढंग से हुई। यहां सेमरिया के लक्ष्मण प्रसाद साहू ने 35.20 क्विंटल, बिछिया टोला के गिरजा प्रसाद साहू ने 50 क्विंटल, गंगाराम ने 50 क्विंटल, केल्हारी के गुलशेर ने 40 क्विंटल और त्रिभुवन नारायण सिंह ने 99.60 क्विंटल धान विक्रय किया।

डोडकी:- डोडकी केंद्र में तहसीलदार सतरूपा साहू, प्रभारी दीपक खलखो और सहायक प्रभारी राजकुमार सेन्द्राम की निगरानी में खरीदी पूरी निष्पक्षता के साथ हुई। यहां बलरसिया निवासी किसान ने 7.20 क्विंटल और डोडकी के जगदीश सिंह गोंड ने 40 क्विंटल धान बेचा।

कछौड़:- कछौड़ उपार्जन केंद्र में खरीदी प्रभारी राकेश तिवारी, सहायक प्रभारी संजय अमलेश, शिवचरण सिंह, ऑपरेटर विशाल, बरदाना प्रभारी सोहन यादव और रोजगार सहायक मदन की टीम ने व्यवस्था संभाली। यहां ताराबहरा/शिवगढ़ निवासी सुरेश वास्तव ने 54.40 क्विंटल धान बेचा।

घुटरा:- घुटरा उपार्जन केंद्र में प्रभारी सोनू तोमर, सहायक प्रभारी राम बदन सिंह, सचिव शिव गोपाल, प्रेमलाल और रोजगार सहायक भजन सिंह की टीम ने खरीदी को व्यवस्थित ढंग से अंजाम दिया। यहां पेंडरी निवासी राम ने 50 क्विंटल और ब्रिजेश कुमार ने 24 क्विंटल धान बेचा।

बरबसपुर:- बरबसपुर केंद्र में एसडीएम लिंगराज सिदार, तहसीलदार समीर शर्मा, नोडल अधिकारी उमेश कुमार पांडेय, प्रभारी डॉ. कोमल राय और सहायक प्रभारी मती करिश्मा की देखरेख में खरीदी निर्बाध रूप से जारी रही। उजियारपुर निवासी ननका साहू और उनके पुत्र सीताशरण साहू ने 24.80 क्विंटल धान बेचा। दिनभर में केल्हारी में 274.80 क्विंटल, डोडकी में 47.20 क्विंटल, कछौड़ में 54.40 क्विंटल, घुटरा में 74 क्विंटल और बरबसपुर में 24.80 क्विंटल धान खरीदा गया। इस प्रकार ब्लॉक में कुल 475.20 क्विंटल खरीदी हुई। खरीदी व्यवस्था ने यह संदेश स्पष्ट किया कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों की मेहनत का सम्मान करना और उनकी उपज को सुरक्षित, पारदर्शी एवं उचित मूल्य पर खरीदना है।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित कर केन्द्रों में निगाह रखने के दिए निर्देश

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले के सभी 149 उपार्जन केन्द्रों में धान की खरीदी अनिवार्यतः सुनिश्चित करते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। इस कार्य को बाधित करने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करें तथा सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने अनुभाग के अधीनस्थ केन्द्रों में धान खरीदी कार्य पर लगातार निगाह रखते हुए किसानों को सुविधापूर्ण ढंग से धान बेचने के संबंध में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने उक्ताशय के निर्देश देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में धान-खरीदी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सभी उपार्जन केन्द्रों में नए डाटा एंट्री ऑपरेटरों की नियुक्ति कर ली गई है तथा विभाग द्वारा उन्हें नवीन यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदाय कर धान की खरीदी सुचारू रूप से कराई जा रही है। धान-खरीदी एस्मा एक्ट के दायरे में, सहयोग नहीं करने पर की जाएगी सख्ती से कार्रवाई। आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि केन्द्रों में पुराने कम्प्यूटर ऑपरेटर के नहीं लौटने की स्थिति में नवनियुक्त ऑपरेटरों से कार्य कराया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने सभी उपार्जन केन्द्रों में इंटरनेट की उपलब्धता, सभी आवश्यक उपकरण, साफ-सफाई, हमालों की व्यवस्था सहित किसानों के लिए छाया, पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही यह भी बताया कि राज्य शासन की यह सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्य होने के कारण इसे आवश्यक सेवा संधारण अधिनियम-1979 (एस्मा एक्ट) के दायरे में लाया गया है तथा इसमें सहयोग नहीं करने वाले जिले के 02 समिति प्रबंधक, 02 डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा 01 केन्द्र प्रभारी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। अतः इस कार्य में सहयोग नहीं करने अथवा बाधित करने वालों के विरूद्ध जिला प्रशासन द्वारा आगे भी सख्ती से कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने इसे सभी विभागों को गम्भीरता से लेने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों का निर्माण अब तक पूर्ण नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए कोयलीबेड़ा, दुर्गूकोंदल तथा अंतागढ़ जनपद पंचायतों के सीईओ को शीघ्रता से पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अप्रारम्भ निर्माण कार्यों को प्रारम्भ कराने और अपूर्ण कार्यों में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा डीएमएफ और विशेष केन्द्रीय सहायता मद के कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी जनपद पंचायत के सी.ई.ओ. को आवश्यक निर्देश दिए। शहर के भीतर सड़क निर्माण कार्यों में भी गति लाने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया। इसी तरह जिला एवं अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस के कार्यों अपेक्षित गति लाने के लिए सभी अधिकारियों को ऑनलाइन माध्यम से फाइल मूव करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही जिले में पोषण पुनर्वास केन्द्र, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, आयुष्मान वय वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सामाजिक अंकेक्षण आदि कार्य में तेजी लाने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके लिए लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के अंत में नशामुक्त भारत अभियान के तहत कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक तौर पर जागरूक करने और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में नशा नहीं करने की शपथ दिलाई। इस दौरान डीएफओ हेमचंद पहारे, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. हरेश मण्डावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे, ए.एस. पैकरा, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी और जिला स्तर के अधिकारीगण मौजूद थे।

बस्तर हाई स्कूल के सौ वर्ष पूरे, पुराने मित्रों का भव्य मिलन समारोह का दूसरा दिन

जगदलपुर। जगतु महारा हाई स्कूल पुराना नामबस्तर हाई स्कूल के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के दूसरे दिन भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दूर से आए पुराने दोस्त, परिजन और समाज के वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह में स्कूल के इतिहास, परंपराओं और बीते वर्षों की उपलब्धियों को याद किया गया। वरिष्ठजनों ने बताया कि एतेहासिक स्कूल ने समाज में एकता, सहयोग और संस्कार की अनोखी मिसाल पेश की है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह और सौ वर्ष के इतिहास को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कई सदस्यों ने पुराने दिनों की यादें ताज़ा करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन न केवल रिश्तों को मजबूत करता है बल्कि अगली पीढ़ी को भी अपनी विरासत से जोड़ता है। इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान और दिवंगत शिक्षकों को श्रद्धांजलि दि गई। समारोह के अंत में सभी नेस्कूल के अगले सौ वर्षों को और भी प्रगतिशील व संगठित बनाने का संकल्प लिया। अपनी व्यस्तता के वावजूद कई पुराने छात्र हरि कृष्ण जोशी, अपूर्व खरे, मानस साह, विवेक श्रीवास्तव, तपन दत्ता, राकेश दुबे, विजय मिश्रा, निर्मल चाको शामिल हुए।

आरएसएस द्वारा चलाई गई व्यापक गृह संपर्क अभियान

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देश भर में 20 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान चलाया जा रहा हैं। इसके साथ ही हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तय किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किरंदुल वार्ड क्रमांक 07 में स्वयं सेवक घर घर जाकर भारत माता की तैलचित्र,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष की पुस्तिका, पंच परिवर्तन का पर्चा वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बस्ती-मंडल स्तर पर हो रही हैं। गृह संपर्क अभियान में पालको, युवा युवतियों एवं विशिष्टजनों से संपर्क किया जा रहा हैं। गृह संपर्क अभियान में पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध के बारे में लोगों को जागरुक कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर संचालक रामकृष्ण बैरागी, मोहित देशमुख, लखन दुर्गा गौरव राय, सुरमा दास, सुधा बाघ एवं दिव्या चुत्रम उपस्थित थे।

सहकारी समिति प्रबंधक, खरीदी केन्द्र प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कांकेर। धान खरीदी कार्य को गंभीरता से नहीं लेने के कारण जिले की सहकारी समितियों के 02 प्रभारी प्रबंधक एवं 02 कम्प्यूटर ऑपरेटर और 01 धान खरीदी केन्द्र प्रभारी के विरूद्ध थाना पखांजूर एवं थाना नरहरपुर में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कार्यालय उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जिला कांकेर के निर्देश पर सहकारी निरीक्षकों एवं शाखा प्रबंधक द्वारा पुलिस थाना पखांजूर एवं नरहरपुर में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उपायुक्त सहकारिता जिला कांकेर से मिली जानकारी के अनुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पखांजूर विकासखण्ड कोयलीबेड़ा के प्रभारी प्रबंधक वासुदेव दास एवं उपार्जन केन्द्र पी.व्ही. 24 के कम्प्यूटर ऑपरेटर रविशंकर मंडल के विरूद्ध थाना पखांजूर और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरादाह विकासखण्ड नरहरपुर के प्रभारी प्रबंधक भूषण पटेल तथा उपार्जन केन्द्र नावडबरी के धान खरीदी प्रभारी शिवप्रसाद नाग एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर तेज सिन्हा के विरूद्ध थाना नरहरपुर में छत्तीसगढ़ आवश्यक सेवा संधारण एवं विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 (एस्मा एक्ट) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बस्तर में छः हजार और परिवारों को मिलेगी उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन

जगदलपुर। बस्तर जिले के हजारों परिवारों के लिए एक खुशखबरी है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत जिले में छः हजार और गरीब परिवारों को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन का लाभ मिलने जा रहा है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह नई पहल बस्तर में उज्ज्वला योजना की सफलता को आगे बढ़ाएगी, क्योंकि वर्तमान में जिले के लगभग एक लाख 32 हजार परिवारों को इस योजना का लाभ मिल चुका है। छः हजार नए कनेक्शन वितरित होने के बाद जिले में उज्ज्वला लाभार्थियों की कुल संख्या बढ़कर लगभग एक लाख 38 हजार हो जाएगी। पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाले धुएं से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना बस्तर के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही इन छः हजार परिवारों को भी गैस कनेक्शन प्रदान करने पहल किया जा रहा है। जिससे उन्हें धुआं मुक्त रसोई और आसानी से ईंधन उपलब्ध हो सके। बस्तर के लोग इस विस्तार से उत्साहित हैं, क्योंकि यह कदम न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि महिलाओं को लकड़ी इकट्ठा करने के श्रम से भी मुक्ति दिलाएगा।

बस्तर ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प : 5 वीं वर्षगांठ पर अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने ली शपथ

जगदलपुर। राष्ट्रव्यापी नशामुक्त भारत अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे बस्तर जिले में नशा मुक्ति की शपथ लेने का एक ऐतिहासिक और व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के प्रशासनिक मुख्यालय से लेकर दूरस्थ अंचलों तक सभी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने इस महाअभियान में अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कलेक्टर हरिस एस के निर्देशानुसार जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में हजारों लोगों ने नशे को ना कहने और देश को नशामुक्त बनाने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया। शपथ का यह दौर बस्तर के हर कोने में युवा शक्ति और समाज के जागरूक लोगों की एकजुटता को दर्शाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण करना है।

डॉ. शुक्ला ने किया कटेकल्याण सीएचसी का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

दंतेवाड़ा। जिले की प्रभारी सचिव एवं आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने विगत दिवस कटेकल्याण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं, साफ-सफाई, स्टाफ की उपस्थिति तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। डॉ. शुक्ला ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने, दवा वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य सेवाओं को समय पर तथा संवेदनशील तरीके से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसूति सेवा, आपातकालीन चिकित्सा तथा ओपीडी संचालन एनआरसी कक्ष की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने कहा कि ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों के प्रति व्यवहार को और अधिक संवेदनशील व सहयोगपूर्ण रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन व स्टाफ के साथ विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने जल्द ही आवश्यक संसाधनों व व्यवस्थाओं को मजबूत करने का आश्वासन दिया। इस निरीक्षण भ्रमण के दौरान प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बारसूर पहुँचकर विद्यालय की शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। यहां डॉ. शुक्ला ने किया बच्चों से सीधे संवाद करते हुए आयरन गोली वितरण की व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही छात्राओं से स्कूल हेल्थ एवं न्यूट्रिशन कार्यक्रम की स्थिति जानी। उन्होंने छात्राओं से नियमित रूप से आयरन की गोलियाँ मिलने की जानकारी चाही इस पर छात्राओं ने बताया कि उन्हें गोलियाँ समय-समय पर दी जाती हैं। इसके बाद डॉ. शुक्ला ने छात्राओं से आयरन गोली के रंग के बारे में पूछा। 8वीं कक्षा की छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया कि गोली नीले (ब्लू) रंग की होती है। उनका यह संवाद न केवल बच्चों की समझ का आकलन था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि विद्यालय में स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि आयरन गोली वितरण नियमित रूप से किया जाए और बच्चों को इसके महत्व के बारे में सही जानकारी दी जाए ताकि एनीमिया की रोकथाम सुनिश्चित हो सके।

धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी बंद, किसानों में आक्रोश

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में

धान खरीदी केंद्र में ताला लटका होने से किसानों को रोजाना कई किलोमीटर का सफर करना पड़ रहा है। लेकिन मौके पर न अधिकारी दिखते हैं, न समाधान की कोई पहल। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसानों की समस्या समय पर नहीं सुलझाई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। किसानों की मेहनत से उपजा धान खरीदी केंद्रों में अटका हुआ है और प्रशासनिक लापरवाही के कारण किसान आंदोलन के मुहाने पर खड़े हैं। जिले के लिए यह बड़ा सवाल है कि आखिर कब बासनवाही केंद्र में खरीदी प्रक्रिया सुचारु होगी और किसानों की राहत लौटेगी।

कांकेर। बासनवाही मांडा भर्री मुसुरपुट्ठा धान उपार्जन केंद्र में अब तक धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू नहीं किए जाने से क्षेत्र के किसानों में रोष देखने को मिल रही है। बासनवाही, बांगाबारी, साईमुंडा और मांडाभर्री पंचायतों के सैकड़ों किसान अपनी उपज लेकर सुबह से खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की हड़ताल के कारण धान तौलने का काम ठप पड़ा हुआ है। किसानों का कहना है कि लगातार शासन-प्रशासन को सूचना देने के बावजूद अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। इससे उनकी धान की फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। खुले में पड़े धान पर मौसम का असर पड़ने से नुकसान का अंदेशा भी गहराया है। किसानों की पीड़ा-धान खराब होगा, तो गुजर-बसर मुश्किल हो जाएगी। किसानों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा हम खेती-किसानी कर किसी तरह घर चला रहे हैं। अगर खरीदी समय पर शुरू नहीं हुई तो हमारा धान खराब हो जाएगा। सरकार जल्द व्यवस्था करे, नहीं तो आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। किसानों का यह भी कहना है कि हड़ताल और प्रशासनिक उदासीनता का सीधा असर उनकी आजीविका पर पड़ रहा है। कई किसानों ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर फसल तैयार की है, ऐसे में खरीदी में देरी होने से आर्थिक संकट गहरा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों पंचायतों–बासनवाही, बांगाबारी और मांडाभर्री–के किसानों ने संयुक्त बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि यदि अगले तीन दिनों के भीतर धान खरीदी शुरू नहीं होती, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। किसान नकुल निषाद, लखनलाल गंगबेर और जनपद सदस्य पवन नेताम सुकचन्द ध्रुव कृष्णा साहू रामसागर मरकाम आल्हाराम यादव सन्तराम यादव मनोज साहू सुकउ मर काम एवं सभी किसानों ने एक स्वर से चेतावनी देते हुए कहा– यदि प्रशासन तीन दिन के अंदर खरीद व्यवस्था नहीं करता, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत एएम, एनएस कंपनी किरंदुल द्वारा किया गया साईकिल वितरण

किरन्दुल। दूरस्थ आदिवासी स्थानों में मुख्यतः शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीएसआर के तहत आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया लिमिटेड द्वारा ज्ञानज्योति कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमें विशेष रूप से पिछड़े आदिवासी क्षेत्र के वंचित छात्रों को उनके प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करते हुए माता भगवती आश्रम चोलनार में चयनित टॉपर छात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया। जिसमें मदाड़ी, पीरनार, मड़कामीरास, समलवार, हिरोली, गुमियापाल, कलेपाल, चोलनार, कुटरेम, टिकनपाल, पालनार एवं महाराहुरनार पंचायत के 44 विद्यार्थियों को साईकिल वितरित किया गया। ताकि उनकी शिक्षा जारी रहे और स्कूल में ड्रॉपआउट कम हो और अन्य छात्रों को भी बढ़ावा मिले। इस प्रकार की सुविधा मेधावी छात्रों को अपने उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर जनपद पंचायत कुआकोण्डा सुकालू मुड़ामी, जिला पंचायत सदस्य सोमारू कड़ती, सरपंच संघ के अध्यक्ष राजू कड़ती, एएमएनएस प्रोजेक्ट हेड कल्याण चक्रवर्ती, जीएम वाई वी राघवेलु, सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश, बीईओ प्रमोद सिंह भदौरिया, एबीईओ मनोज राठौर एवं अन्य उपस्थित थे।

समय सीमा की बैठक : सभी नोडल अधिकारी धान खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

जिले में निर्माणाधीन भवनों को माह के अंत तक पूर्ण करने निर्देश

नारायणपुर। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने की। इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने तथा जिले में निर्माणाधीन एवं अधूरे भवनों को माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ममगाई ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने विशेष रूप से निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर तेज गति से काम करने पर जोर दिया, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुँच सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखते हुए, नियमित रूप से स्थल निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने नियद नेल्लनार क्षेत्र के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चल रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने स्कूल विभाग के अधीन निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक ढांचे से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है। बैठक में उन्होंने धान विक्रय हेतु कृषक पंजीयन का सत्यापन समय पर करवाने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही कलेक्टर ने विभिन्न विभागों से सरकार को प्रेषित किए जाने वाले महत्वपूर्ण प्रतिवेदनों और आंकड़ों की समीक्षा की। इनमें वामपंथी उग्रवादी हिंसा में मृत व घायल नागरिकों का विवरण, आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण प्रतिवेदन, शालाओं में शिक्षकों की उपस्थिति, पेंशन, जीपीएफ, ग्रेच्यूटी एवं एरियर प्रकरणों का समाधान, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन वितरण, आधार नामांकन एवं अद्यतन सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त आधार ऑपरेटरों की तैनाती, पीडब्ल्यूडी द्वारा संचालित सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति शामिल थे।

एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना में एमएसईएस विकास व सुविधा कार्यक्रम सम्पन्न

किरंदुल। किरंदुल परियोजना में एमएसईएस विकास व सुविधा कार्यक्रम किरंदुल परियोजना में रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन में अधिशासी निदेशक के सम्मेलन कक्ष में परियोजना के अधिकारियों व परियोजना कार्यों में संलग्न एमएसईएस वेंडरों/कांट्रेक्टर्स के लिए एमएसएमई-विकास व सुविधा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दो सत्रों में किया गया।प्रथम सत्र का आरंभ मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक को पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया गया। साथ ही लोकेश कुमार परगनिहा, संयुक्त निदेशक, एमएसएमई, डीएफओ-रायपुर बलवीर सिंह, सहायक निदेशक, एमएसएमई, डीएफओ-रायपुर, राकेश तिवारी, जेम एक्सपर्ट रायपुर को भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। सुशील चंद्र गुप्ता सहायक महाप्रबंधक (सामग्री) ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के बारे में बताया। परगनिहा, संयुक्त निदेशक एमएसएमई ने परियोजना के अधिकारियों को एमएमएमई के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि एमएसएमई योजना भारत सरकार की एक प्रणाली है जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने और उनका समर्थन करने के लिए है।इसका उद्देश्य इन व्यवसायों को ऋण, वित्तीय सहायता और अन्य लाभ प्रदान करना है, ताकि वे आगे बढ़ सके और रोजगार पैदा कर सकें और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें। यह 2006 से एमएसएमईडी अधिनियम के तहत स्थापित की गई है।एमएसएमई में पंजीकरण करने से छोटे और मंझले व्यवसायों को सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता देना, आसान किस्तों ऋण उपलब्ध कराना, मशीनरी खरीदना और व्यवसाय का विस्तार करना, अपने उत्पादन, निर्यात और नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन शहरी, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना है। साथ ही एमएसएमई में पंजीकरण के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभों के पात्र हो जाते हैं। सत्र के दौरान रंजीत धिवारे, सहा.महाप्रबंधक (सामग्री) द्वारा भी पोर्टल के बारे में उपस्थित वेंडर्स को सविस्तार से समझाया गया।इसी प्रकार द्वितीय सत्र में जैम एक्सपर्ट राकेश तिवारी,रायपुर के द्वारा परियोजना कार्यों में संलग्न वेंडरों/ कांट्रेक्टर्स/ एमएसएमई अधिकारियों को भी एक्सपर्ट ने एमएसएमई से संबंधित जानकारी दी और कहा कि ऑनलाईन का जमाना है तथा पारदर्शिता और कार्य में शीघ्रता लाना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में वेंडरों ने योजना में आनेवाले दिक्कतों संबंधित प्रश्न पूछे वहीं एक्सपर्ट ने तुरंत निराकरण करते हुए उनकी दिक्कतों का समाधान किया। कार्यक्रम में केपी सिंह मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एम.सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक (विद्युत) संयंत्र, एस.के.कोचर, महाप्रबंधक (खनन), पी.बी.एंटोनी, महाप्रबंधक (सामग्री), वी. मधुसुदन, महाप्रबंधक (विद्युत)/संविदा, सुशील कुमार पांडेय, उप महाप्रबंधक (सिविल), शरद गुप्ता, प्रबंधक (सामग्री), नीतू देवांगन, उप प्रबंधक (सामग्री), नवीन रूंकू, उप प्रबंधक (सामग्री), ईशा श्रीवास्तव, सहा.प्रबंधक (सामग्री) एवं दिलीप कुमार, सहा.प्रबंधक (सामग्री) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण व नगर के वेंडर्स/कांट्रेक्टर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुशील चंद्र गुप्ता, सहा.महाप्रबंधक (सामगी) ने और धन्यवाद ज्ञापन के इलांगो, उप महाप्रबंधक (सामग्री) ने किया।

पिटकैर्न आइलैंड जहां कोई बसना नहीं चाहता

हर किसी का सपना होता है कि एक अच्छी जगह उसका अपना घर हो। घर ऐसी जगह हो, जहां पर शांति के साथ सभी सुख सुविधाएं मौजूद हों। घर बनाने के लिए एक आम आदमी अपने जीवन भर की कमाई का लगा देता है। अगर आपको कोई घर बनाने के लिए मुफ्त में जमीन दे, तो क्या इस ऑफर को छोड़ देंगे? लोगों को एक जगह मुफ्त में रहने के लिए जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं लेना चाहता है। जानते हैं कि आखिर इसकी वजह क्या है और जगह कहां पर है?

द्वीपों पर लोग शांति की तलाश में जरूर जाते हैं, लेकिन यहां बसना नहीं चाहते हैं। अगर आपको पता चले कि ऐसे स्थान पर मुफ्त में जमीन और घर मिल रहा है, तो आप क्या करेंगे? इसके साथ ही आपको पता चले कि ऐसी जगह पर फ्री में जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं चाहता है, तो आपको हैरानी होगी।

वर्तमान समय में कुछ देश बढ़ती जनसंख्या से परेशान हैं, तो ऐसे समय में एक जगह पर लोगों को बुलाकर बसाया जा रहा है, लेकिन क्या आप इस जगह पर जाना चाहेंगे? वह जगह पिटकैर्न आइलैंड है। यहां की सरकार जनसंख्या को लेकर

परेशान है। सरकार की तरफ से यहां पर आकर बसने वाले लोगों को मुफ्त में जमीन में दी जा रही है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर साल 2015 से लेकर अभी तक सिर्फ एक ही आवेदन पत्र मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दुनिया का सबसे छोटा समुदाय है, जहां पर सिर्फ 50 लोग रहते हैं। यहां पर सिर्फ दो बच्चे हैं और यहां कोई स्कूल भी नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। यहां शहरों की तरफ शोरगुल नहीं है और यहां पर लोग अपनी छोटी दुनिया में खुश रहते हैं।

यहां पर नहीं हैं ये सुविधाएं

इस द्वीप पर रहने वाली एक 21 वर्षीय टोरिका क्रिश्चियन का कहना है कि सिर्फ

मील लंबे और 1 मील चौड़ा यह आइलैंड दुनिया से अलग है। यहां पर कोई एयरपोर्ट नहीं है। यहां पर लोग सप्लाई वाले जहाजों से यात्रा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सप्लाई वाला जहां यहां पर हफ्ते में सिर्फ दो दिन आता है। यह जहाज पिटकैर्न आइलैंड से गैंबियर आइलैंड तक चलता है।

घूमने वाले लोग भी यहां इसी जहाज से आते हैं। साल 1978 में इस आइलैंड को बसाया गया था। यहां के लोगों की कमाई आइलैंड के स्टैंप, मॉडल शिप्स और फिश वॉल से कमाई करते हैं। यहां पर जनरल स्टोर, जिम, मेडिकल सेंटर, लाइब्रेरी, टूरिज्म ऑफिस और बेसिक सुविधाएं भी हैं। हालांकि यहां पर शांति होने की वजह से लोग यहां पर बसना नहीं चाहते हैं।

अंटार्कटिका में बर्फ के नीचे मिली ये हैरान करने वाली चीज, एलियन है या कुछ और...

दुनिया में एलियंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर एलियंस और इलुमिनाती को लेकर कई तरह थ्योरी वायरल हुई हैं। अब इस बीच एक हैरान करने वाली खोज ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंटार्कटिक में यह खोज हुई थी, जिसमें एक पिरामिड की तरह एक पहाड़ देखा गया था। कुछ लोगों ने इसे एलियंस से जोड़ था, तो कुछ लोगों का कहना था कि यह प्राचीन सभ्यता की निशानी है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बर्फ का पिरामिड पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इसकी खोज अंटार्कटिक की एल्सवर्थ माउंटेन रेंज के दक्षिणी इलाके में सैटेलाइट की तस्वीरों से की गई थी। यह पिरामिड के अकारा है, लेकिन इसके आधार पर द्रव्यमान सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी पर है। यह गीजा में मिस्र के पिरामिड से बिल्कुल विपरीत है। हालांकि, पिरामिड को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए गए।

कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि प्राचीन सभ्यता और रहस्यमयी सोसाइटी इलुमिनाती से जुड़ा है। कई लोगों ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल में अंटार्कटिक किसी समय वर्षावनों से भरा रहा होगा, जिसकी वजह से यहां ऐसी संरचनाएं अस्तित्व में आई होंगी। लेकिन, प्रोफेसर एरिक रिग्नॉट के नेतृत्व वाली टीम में शामिल भूविज्ञान विशेषज्ञों ने इस तरह की अटकलों की खारिज कर दिया था। बताया गया कि पिरामिड की तरह शेप के पहाड़ के पीछे की वजह ग्लेशियरों हैं। इसके साथ यह भी कहा गया है कि यह पूरी दुनिया के अलग-अलग स्थानों पर देखी जाने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इन सभी के दावों के बाद भी अंटार्कटिक में मिले पिरामिड की शेप के पहाड़ को रोचक माना जाता है। इससे पता चलता है कि दुनिया में कितने आश्चर्य हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई कई चीजों को एलियन या फिर इलुमिनाती से जोड़कर देखा गया है। हालांकि कभी इन दोनों चीजों से जुड़े दावों की पुष्टि नहीं हो पाती है।

दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले टायसियर की एक आंख उसके दिमाग के बराबर है. वो आखों की पुतली को घुमा नहीं सकता; अगर उसे अपने आस-पास की किसी चीज़ को देखना है तो उसे अपना पूरा सिर उस तरफ़ घुमाना पड़ता है. लेकिन टारसियर की ये डरावनी आंखें ही उसकी ख़ासियत भी है, क्योंकि वह इनसे घोर अंधेरे में भी बड़ी आसानी से देख सकता है. चाहे कितना भी अंधेरा क्यों ना हो कीड़े-मकोड़े और छोटे परिंदें टारसियर की नज़र से बच नहीं सकते. उनकी आंखों की बनावट ऐसी है कि वो रोशनी के हर आखिरी फ़ोटोन को इकट्ठा कर सकता है. उनकी आंखें रात में देख सकने वाले किसी नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं.

नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं टारसियर की आंखें

टार्सियर अब फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया के दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपों तक सीमित हैं। वहाँ 10 टार्सियर प्रजातियाँ और चार उप-प्रजातियाँ हैं, जो बंदरों और वानरों के एक सहयोगी समूह से संबंधित हैं। विलुप्त होने से कुछ हद तक सभी टार्सियर प्रजातियों को खतरा है। किसी भी अन्य जानवर की तरह घूरने की क्षमता, अत्यधिक लंबी उंगलियां, मखमली मुलायम फर और झपट्टा मारकर कीड़े या यहां तक कि पक्षियों को पकड़ने की क्षमता के साथ, वे एक बार फिर देखने लायक हैं। यहां कुछ चीजें हैं जो टार्सियर को एक शानदार जानवर बनाती हैं।

टार्सियर्स की आंखें बहुत बड़ी होती हैं

किसी भी स्तनपायी के शरीर के आकार की तुलना में टार्सियर की आंखें सबसे बड़ी होती हैं। प्रत्येक नेत्रगोलक का व्यास लगभग 16 मिलीमीटर है, जो टार्सियर के पूरे मस्तिष्क जितना बड़ा है। आंखें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें घुमाया नहीं जा सकता. इसके बजाय, टार्सियर उल्लू की तरह अपनी गर्दन को किसी भी दिशा में पूरे 180 डिग्री तक मोड़ सकते हैं। वे शिकार के लिए इधर-उधर घूमने के बजाय चुपचाप शिकार के आने का इंतजार करने की इस क्षमता का उपयोग करते हैं। उनकी आँखों का आकार संभवतः टेपेटम नामक परावर्तक परत की अनुपस्थिति से संबंधित है जो आम तौर पर अन्य रात्रिचर जानवरों की आँखों में पाई जाती है। 2 बच्चे खुली आँखों के साथ पैदा होते हैं, जन्म के एक घंटे के भीतर पेड़ों पर चढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

वे पूर्णतः मांसाहारी हैं

टार्सियर एकमात्र पूर्णतः मांसाहारी प्राइमेट हैं। जबकि विशिष्ट आहार प्रजातियों के साथ भिन्न होता है, उन सभी में एक चीज समान होती है- वे किसी भी प्रकार का पौधा नहीं खाते हैं। वे कीड़ों, छिपकलियों और सांपों जैसे सरीसृपों, मेंढकों, पक्षियों और यहां तक कि चमगादड़ों पर भी दावत देते हैं। वे गंभीर घात लगाकर हमला करने वाले शिकारी हैं, चुपचाप शिकार के पास आने का इंतजार करते हैं - और यहां तक कि हवा से पक्षियों और चमगादड़ों को भी झपट सकते हैं। क्षेत्रीय कथाओं पर आधारित पुराने ग्रंथों में बताया गया है कि टार्सियर चारकोल खाते हैं। यह रिपोर्ट असत्य है; इसके बजाय, टार्सियर कीड़ों तक पहुंचने के लिए लकड़ी का कोयला खोदते हैं।

उनके उपांग लम्बे हैं

टार्सियर्स को उनका नाम उनके पैरों में असाधारण रूप से लम्बी टारसस हड्डियों के कारण मिला है। जबकि टार्सियर का सिर और शरीर 4 से 6 इंच लंबा होता है, उनके पिछले पैर और पैर दोगुने लंबे होते हैं। उनके पास एक लंबी, आमतौर पर बाल रहित पूंछ होती है जो अतिरिक्त 8 या 9 इंच जोड़ती है। पेड़ की शाखाओं को पकड़ने में मदद करने के लिए उनकी उंगलियां अतिरिक्त लंबी होती हैं, और उनकी तीसरी उंगली उनकी पूरी ऊपरी भुजा जितनी लंबी होती है। उनके अंकों की युक्तियाँ डिस्क जैसे चिपकने वाले पैड में विस्तारित हो सकती हैं जो उन्हें पकड़ने में सहायता करती हैं। 2 यह अनूठी शारीरिक रचना टार्सियर को ऊर्ध्वाधर चिपकने वाला और चढ़ने वाला-और कूदने वाला बनने की अनुमति देती है। वे एक छलांग में अपने शरीर की लंबाई से 40 गुना अधिक छलांग लगा सकते हैं।

वे जमीन के करीब रहते हैं

टार्सियर आमतौर पर जमीन से 3 से 6.5 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। ये जानवर घने, अंधेरे वनस्पति वाले क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं। उन्हें विशेष रूप से सोने के लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षों के आवरण की आवश्यकता होती है। वे दिन में किसी खड़ी पेड़ की शाखा या बांस से चिपक कर सोते हैं। वर्षावन की घनी वनस्पति और वन तल के करीब रहने से कीड़ों और अन्य शिकार तक अधिक पहुंच मिलती है। यह उनकी संवेदनशील आँखों को भी धूप से बचाता है। वे पुराने विकास और द्वितीयक वनों के साथ-साथ कम झाड़ीदार वनस्पतियों में भी पाए जा सकते हैं।

वे कैद में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते

निवास स्थान और शिकार दोनों में टार्सियर की विशिष्ट ज़रूरतें बंदी प्रजनन कार्यक्रमों को लगभग असंभव बना देती हैं, और कैद में रखे गए लगभग 50% टार्सियर ही जीवित रहते हैं। जो टार्सियर तनावग्रस्त हैं या बहुत छोटे पिंजरों में हैं उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति होती है। विशेष तनाव के कारक हैं प्रकाश, शोर, अपने निवास स्थान में मनुष्य और छुआ जाना। वे अपनी पतली खोपड़ी को पेड़ों, फर्श या पिंजरे की दीवारों से टकराएंगे। पर्यावास संरक्षण ही उनकी एकमात्र आशा है। कैद में जीवन प्रत्याशा जंगली में 24 साल की तुलना में घटकर दो से 12 साल रह जाती है।

तीन प्रकार के होते हैं टार्सियर

टार्सियर तीन प्रकार के होते हैं- पूर्वी, पश्चिमी और फिलीपीन। पूर्वी टार्सियर सुलावेसी और आसपास के द्वीपों में निवास करते हैं, फिलीपीन टार्सियर फिलीपींस तक ही सीमित हैं और उनकी पूरी तरह से गंजी पूंछ और बाल रहित पैर हैं, जबकि ब्रुनेई, बोर्नियो, इंडोनेशिया और मलेशिया पश्चिमी टार्सियर की आबादी की मेजबानी करते हैं, जिनकी पूंछ अंत में गुच्छों के साथ होती है। फिलीपीन और पश्चिमी टार्सियर मुख्य रूप से तराई प्रजातियाँ हैं। पिग्मी प्रजाति को छोड़कर, पूर्वी टार्सियर कई आवासों और ऊंचाईयों में फैले हुए हैं, जो केवल 1,600 फीट से ऊपर पाई जाती है। ऐसा माना जाता था कि पिग्मी किस्म विलुप्त हो गई है जब इसे 1921 और 2008 के बीच नहीं देखा गया था।

टाइम ट्रेवल का रहस्य, क्या सच में समय से आगे जाना संभव है?

अक्सर हम सभी फिल्मों में टाइम ट्रेवल के बारे में देखते आ रहे हैं। कई बार ऐसी बहुत सी कहानी भी होती है, जब उसमें टाइम ट्रेवल के कांसेप्ट को सुनने का मौका मिलता है। इसका मतलब है कि समय से आगे जाकर या फिर समय से पीछे जाकर यात्रा करना। कई फिल्मों में चाहे वो हॉलीवुड हो या बॉलीवुड हो, ऐसा दिखाया गया है कि इसके लिए एक मशीन बनाई जाती है जो समय की गति को मोड़ देता है। वैसे तो इसे लेकर हर कोई एक्साइड रहता है, क्योंकि हर कोई अपने पास्ट में जाकर कुछ ना कुछ चीजों को बदलने का सोचता है, तो कई बार लोग अपने भविष्य में जाकर अपने साथ होने वाली चीजों को देखना चाहते हैं।

क्या है टाइम ट्रेवल?

बचपन से ही जब हम टाइम ट्रेवल के बारे में देखे या सुनते हैं, तो मन में ऐसी बात आती है कि काश हमें भी टाइम ट्रेवल से यात्रा करने का मौका मिलता। इसके लिए वह तरह-तरह के सपने भी देखने लगते हैं। खासकर नव युवकों में यह उत्सुकता होती है कि वह अपने भविष्य में जाकर आने वाले समय को जान सके। वहीं, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने अतीतकाल में जाकर अपनी चीजों को बदलना चाहते हैं, लेकिन बाद में वह ऐसा सोच लेते हैं कि यह सब बस कहने की बात होती है, क्योंकि समय अपनी गति से चलता ही रहता है। उसे कोई बदल नहीं सकता।

जानें कितनी है सच्चाई

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा एक ग्रुप है, जिसमें ऐसे ही फोटोस और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि टाइम ट्रेवल असल में होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है इसके बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन जानना हर कोई चाहता है। इसके लिए लोग तरह-तरह की न्यूज सोर्स भी तलाशते हैं, जब वह जानना चाहते हैं कि क्या यह सच है।

यात्रा करना संभव या नहीं?

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर यह चीज देखने को मिलती है कि टाइम ट्रेवल को लेकर तरह-तरह के वीडियो शेयर किए जाते हैं और इसे लेकर रोचक तथ्य भी बताए जाते हैं, जिसे लोग बड़े रोमांचित होकर सुनते भी है, लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा फिलहाल ऐसी कोई बात साबित नहीं हुई है कि समय के साथ यात्रा करना संभव है। यह केवल कहानियों में ही देखने को मिलती है कि लोग यात्रा करके समय से पहले या समय के बाद चले जा रहे हैं, लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता।

कलेक्टर ने सेलूद, उतई और कोड़िया धान उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

किसानों से व्यवस्था की ली जानकारी

खरीदी केन्द्रों में पहुंचने लगे किसान

वाहनों की ऑनलाईन एन्ट्री जरूरी

दुर्ग / कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बुधवार को जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में चल रही धान खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने पाटन विकासखण्ड के धान उपार्जन केन्द्र सेलूद एवं उतई तथा धमधा विकासखण्ड के ग्राम कोड़िया के उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से उपार्जन केन्द्रों की आवश्यक व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, प्रतिदिन धान ब्रिकी हेतु टोकन की स्थिति और खरीदी किए गए धान की जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर किसानों से खरीदे जा रहे धान की तौलाई का अवलोकन किया साथ ही व्यवस्था दिया कि प्रति बोरे में 40 किलो 600 ग्राम धान की तौल की जाए। इस दौरान उन्होंने खाली बोरे की भी तौल कराकर वजन की जानकारी ली। उन्होंने अधिक तौल कराए जाने पर समिति प्रबंधकों को फटकार लगाई और बोरे से निर्धारित मात्रा में धान निकालने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान ब्रिकी के लिए उपार्जन केन्द्रों में आने वाले वाहनों की ऑनलाईन एन्ट्री एवं किसान सहित वाहन की फोटो अपलोड कराई जाए। लघु किसान जिनके द्वारा अपनी संपूर्ण उपज धान बिक्री करने के पश्चात् घोषणा पत्र के साथ रकबा समर्पण कराया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में प्राप्त बारदानों की ऑनलाईन एन्ट्री तत्काल सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में खरीदे गए धान का स्टेक

का भी अवलोकन किया। साथ ही निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बोरे की छल्ली लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधकों को उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु उपलब्ध कराए गए कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही उनकी समस्याओं से अवगत हुए। सेलूद उपार्जन केन्द्र में मोहित कुमार वर्मा, तमन्ना यादव और प्रतीक कुर्रे ने कार्य संभाल लिया है। उन्होंने अवगत कराया कि समिति प्रबंधक और विपणन संघ कार्यालय के कम्प्यूटर ऑपरेटर के मार्गदर्शन में कार्य संपादित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने हेतु पहुंचे श्री अवध राम, कुमान कश्यप, रोहित, नीलमणी और कमलेश चंद्राकर सहित अन्य कृषकों से चर्चा कर धान बिक्री, टोकन, रकबा समर्पण आदि के संबंध में जानकारी ली। कृषकों ने धान बिक्री हेतु शासन प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर बताया। टोकन सिस्टम होने से सभी किसानों को धान बिक्री का समान अवसर मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधकों ने बताया कि उपार्जन केन्द्र सेलूद में 17 किसानों से 983.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार उपार्जन केन्द्र उतई में 19 किसानों से 704.80 क्वि. धान की खरीदी तथा उपार्जन केन्द्र कोड़िया में 28 किसानों से 1081.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने धान संग्रहण केन्द्र सेलूद (पाटन) और धान संग्रहण केन्द्र कोड़िया (धमधा) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर पुराने धान के उठाव हेतु वाहनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही 30 नवंबर तक संपूर्ण धान का उठाव करा लेने संग्रहण प्रभारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर डीएमओ राहुल कुमार, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, सीसीबी के प्रभारी नोडल अधिकारी ह्रदेश शर्मा, समिति प्रबंधकों एवं अन्य अधिकारी और कृषकगण उपस्थित थे।

अयोध्या के लिए दुर्ग से 185 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने दिखाई हरी झंडी

दुर्ग / राज्य सरकार की 'श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना' के अंतर्गत बुधवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन से 185 श्रद्धालुओं का जत्था विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या के लिए रवाना हुआ। फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच यात्रियों को ट्रेन में रवाना किया गया।

स्पेशल ट्रेन को ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पूर्ण व्यवस्था की है। रामभक्तों में अयोध्या दर्शन को लेकर उत्साह और उमंग दिखाई दी। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि हम पहली बार रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं, सरकार ने जो व्यवस्था की है वह बहुत अच्छी है। इस दौरान श्रद्धालुओं को जनसम्पर्क विभाग की मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' भी भेंट की गई। इस अवसर पर पर नगर निगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव तथा अन्य जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क पर मवेशी छोड़ा तो खैर नहीं

महापौर परिषद की बैठक में लागू कर दिए नियम

मवेशी मालिकों के खिलाफ निगम हुआ सख्त

लोकतंत्र प्रहरी । संवाददाता/ रिसाली : मवेशी को खुला छोड़ने वाले मवेशी मालिकों के खिलाफ निगम ने सख्त नियम बनाए है। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाले परिषद ने नियमों को हरी झंडी दे दी है। नियम आज से ही लागू कर दिए गए है। नए नियम के हिसाब से न केवल जुर्माना वसूला जाएगा, बल्कि निश्चित अवधि के बाद जब्त मवेशी को निगम प्रशासन नीलाम भी करेगा। परिषद के सदस्यों ने हाई कोर्ट से दिशा निर्देश आने के बाद सड़क पर विचरण करने वाले मवेशी की वजह से होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने नियम बनाया है। सदस्यों ने निर्णय लिया है कि मवेशी को खुला छोड़ने वाले मालिकों के खिलाफ जुर्माना वसूला जाएगा। पहले मर्तबा 500 और दूसरी बार मवेशी पकड़ाने पर उस मालिक से 1000 और तीसरी बार में 1500 रूपए का जुर्माना वसूल किया जाएगा। इसके बाद भी मवेशी सड़क पर विचरण करते पाए जाने पर उस मवेशी को निगम द्वारा जब्त कर निलामी प्रक्रिया पूरी

करेगी। महापौर परिषद ने निर्णय लिया है कि पहले मवेशियों के सिंग में डेयरी संचालक रेडियम भी लगाऐंगे। महापौर परिषद की बैठक में एमआईसी सदस्य संजू नेताम, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, रोहित धनकर, ममता यादव, जमुना ठाकुर, रंजीता बेनुआ, निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनिल दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे। बुधवार को हुए महापौर परिषद की बैठक में सदस्यों ने पेयजल आपूर्ती पर गंभीर चिंतन किया। परिषद के सदस्यों ने निगम क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए ओवर हेड टैंक निर्माण पर जोर दिया। परिषद ने मैत्रीकुंज और डुण्डेरा में ओवर हेड टैंक निर्माण के लिए निविदा बुलाने सहमति दी। वर्तमान में निगम कार्यालय तीन हिस्सों मे संचालित है। आमतौर पर छोटी बैठक व समीक्षा महापौर व आयुक्त मोनिका वर्मा अपने-अपने कक्ष में करते थे। आयुक्त ने मुख्य कार्यालय मे ही सभाकक्ष तैयार कराया है। इसी कक्ष में बुधवार को महापौर शशि सिन्हा ने एमआईसी बैठक ली।

दुर्ग RTO कार्यालय में अवैध वसूली एवं दलाली बंद करने की मांग

युवा कांग्रेस ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। दुर्ग क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) में ड्राइविंग लाइसेंस के नाम पर की जा रही कथित अवैध वसूली, रिश्वतखोरी और दलाली को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जिला युवा कांग्रेस ने एक बार फिर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

युवा कांग्रेस के अनुसार, पहले ही 25 अगस्त 2025 को RTO में 1500 से 2000 रुपये अतिरिक्त लेकर दलालों के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस जारी कराने की शिकायत कलेक्टर को दी गई थी। आरोप है कि बिना टेस्टिंग के अयोग्य लोगों को भी लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है।

युवा कांग्रेस का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद न तो दोषी RTO अधिकारियों पर FIR दर्ज हुई और न ही कार्यालय परिसर के बाहर सक्रिय दलालों पर कोई कार्रवाई। उनका आरोप है कि RTO के बाहर अब भी 50 से अधिक दलालों के द्वारा लाइसेंस के लिए डेढ़ से दो गुना तक वसूली की जा रही है। इसी के विरोध में 16 सितंबर को जिला युवा कांग्रेस महासचिव दीपांकर साहू के नेतृत्व में RTO का घेराव कर तालेबंदी की गई। प्रदर्शनकारियों ने 5 दिनों का CCTV फुटेज जिला प्रशासन को सौंपा, जिसमें–उनके अनुसार–100 से अधिक लाइसेंस बिना टेस्टिंग जारी किए गए हैं। प्रशासन ने 7 दिनों में कार्रवाई का आश्वासन दिया था, परंतु कोई कार्रवाई न होने से संगठन नाराज है।

युवा कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि जिस RTO अधिकारी पर आरोप लगाए गए हैं, उसी को जांच की जिम्मेदारी दे दी गई।

संगठन ने इस बात के भी प्रमाण देने का दावा किया है कि प्रशासन के यह कहने के बावजूद कि टेस्टिंग शुरू कर दी गई है, एक उनके कार्यकर्ता ने दलाल के माध्यम से 3500 रुपये देकर बिना टेस्टिंग ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया। इसका शपथ पत्र, ऑनलाइन भुगतान रसीद और ट्रांज़ैक्शन आईडी भी उन्होंने प्रशासन को सौंपा है। युवा कांग्रेस ने तत्काल FIR, विभागीय जांच के साथ दलालों को हटाने की मांग करते हुए तहसीलदार क्षमा यदु को ज्ञापन सौंपा।

भिलाई में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 35 लाख की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, छत्तीसगढ़। भिलाई की सुपेला थाना पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर 35 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम चंदन राव, देवेंद्र कुमार सहारे और विवान सिंघानिया हैं। एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस ने बताया कि, 18 नवंबर को पीड़ित अविनाश कुमार ने सुपेला थाना में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई. आरोपी निशा बिजनेस कंसलटेंसी और यूनिक इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन नामक कंपनियों में काम करते थे। उन्होंने अच्छे मुनाफे का लालच देकर अपने झांसे में लिया। आरोपियों ने निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएससी) के फर्जी दस्तावेज भी दिए।

नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि आरोपी निवेशकों से मिले पैसों को शेयर मार्केट में निवेश करने की बजाय खुद ही उसकी रोलिंग करते थे।

दो महीने बीतने के बाद जब अविनाश कुमार को न तो मुनाफा मिला और न ही मूलधन वापस मिला, तब उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अब अन्य आरोपी की तलाश कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि क्या इन आरोपियों ने इसी तरह अन्य लोगों को भी ठगा है।

जामुल में साल के अंत में गूंजेगी श्रीराम कथा की गूंज : स्वामी डॉ. राघवाचार्य जी करेंगे कथा का वाचन

शिवपुरी स्टेडियम, जामुल में 28 दिसंबर से 06 जनवरी 2026 तक चलेगा कार्यक्रम, 11,111 माताओं द्वारा विभिन्न वाद्य यंत्रों की टोली के साथ भव्य कलश यात्रा

भिलाई । संवाददाता। दुर्ग, छत्तीसगढ़, 19 नवंबर। भगवान श्री राम के ननिहाल कहे जाने वाले पावन प्रदेश छत्तीसगढ़ की धर्मनगरी जामुल, जिला-दुर्ग में साल के अंत में एक बेहद ही भव्य और दिव्य श्रीराम कथा का आयोजन होने जा रहा है। प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच द्वारा आयोजित यह नौ दिवसीय कार्यक्रम शिवपुरी स्टेडियम, जामुल में 28 दिसंबर से 06 जनवरी 2026 तक चलेगा। आयोजकों का दावा है कि प्रदेशवासी इस अलौकिक दृश्य का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अयोध्या पीठाधीश्वर होंगे कथा व्यास– इस भव्य आयोजन में कथा व्यास सनातन धर्म और संस्कृति के अद्वितीय व्याख्याकार अनंत श्री विभूषित परम पूज्य श्रीमज्जगद्?गुरु रामानुजाचार्य श्री स्वामी डॉ. राघवाचार्य जी महाराज होंगे। वे श्री धाम पीठाधीश्वर, श्रीराम लला सेवा सदन, देवस्थान, रामकोट, अयोध्या के अधिष्ठाता हैं।

आठ हजार से अधिक आयोजक परिवार, दस माह से तैयारी– आयोजन समिति के

संयोजक ईश्वर उपाध्याय ने बताया कि इस कथा को दिव्य और भव्य बनाने के लिए आठ हजार से अधिक आयोजक परिवार पिछले दस माह से लगातार तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि यह श्रीराम कथा इतनी दिव्य और भव्य होगी कि पूरा प्रदेश इसका साक्षी बनने को उत्सुक है।

दिव्य कलश यात्रा और सनातन उत्सव मेला– कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर 2025

श्रीराम कथा के लिए बनाया गया विशेष आमन्त्रण पत्र (फोटो : नाहीद शेख)

को 11,111 माताओं द्वारा विभिन्न वाद्य यंत्रों की टोली के साथ भव्य कलश यात्रा से होगी। यह कलश यात्रा सुबह 11 बजे शिवपुरी स्टेडियम, जामुल से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पर समाप्त होगी। इसके साथ ही, एक 'सनातन उत्सव मेला' भी लगाया जाएगा, जिसमें 25 बड़े झूले और सैकड़ों दुकानें होंगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

उमड़ेगा श्रोताओं का सैलाब– आयोजकों ने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन लगभग 30,000 से अधिक श्रद्धालुओं के कथा श्रवण के लिए आने का अनुमान है। वहीं, शोभायात्रा में लगभग एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, जिससे पूरे प्रदेश से जामुल में श्रोताओं का सैलाब उमड़ने की उम्मीद है। इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित विद्वान धर्माचार्य, संत, महंत और कथावाचकों का भी आगमन होना है।

-: कार्यक्रम की रूपरेखा :-

28 दिसंबर 2025: 11,111 माताओं द्वारा भव्य कलश यात्रा (सुबह 11 बजे)।

29 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026: नौ दिवसीय श्रीराम कथा का वाचन।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com